जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 208 प्रभात | बीकानेर, शुक्रवार 20 फरवरी, 2026 | डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रू.

1641 के बाद इंगलैंड के राजघराने का सदस्य गिरफ्तार किया है ब्रिटेन की पुलिस ने

ब्रिटेन के वर्तमान महाराजा, किंग चार्ल्स के छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी का कारण अंतर्राष्ट्रीय दुराचारी, एप्स्टीन को महत्वपूर्ण सरकारी खबरें व जानकारियां भेजना है

- प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी उस समय अनिवार्य हो गई थी, जब उनकी एक फोटो और कागज़ात सार्वजनिक हो गए थे, जिसमें प्रिंस एंड्रयू किसी महिला, जो जमीन पर लेटी है, के ऊपर घुटनों के बल बैठे दिख रहे थे।
- प्रिंस एंड्रयू के ऊपर बच्चियों को अंतर्राष्ट्रीय धनाढ्य, सभ्रांत व प्रभावशाली वर्ग में सप्लाई करने के गोरखधंधे में जाने-माने अपराधी एप्स्टीन के साथ लिप्त होने के आरोप लगे थे।
- एक टीनएजर वर्जीनिया ने प्रिंस एंड्रयू पर अमेरिका में ''पीडोफाइल'' बलात्कार व सैक्स का मामला दर्ज कराया था तथा इस अनुभव पर किताब भी लिखी थी उसे करोड़ों डॉलर देकर यह केस वापस करवाया गया था।
- प्रिंस एंड्रयू, 2000 के दशक में, ब्रिटेन के ''ट्रेड एन्वॉय'' (व्यापारिक राजदूत) भी थे तथा उन पर, सरकारी जानकारियां एप्स्टीन को देने का संदेह भी था।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। द्वितीय विश्व युद्ध के चरम समय में एक अंग्रेज व्यक्ति को पुलिस ने इसलिए गिरफ्तार कर लिया था, क्योंकि उसने उस समय के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल को मूर्ख कहा था।

जब यह खबर ब्रिटिश संसद तक पहुँची तो हंगामा मच गया। सांसदों ने आम आदमी के अभिव्यक्ति के अधिकार का हनन करने के लिए सरकार की कड़ी आलोचना शुरू कर दी। संसद ने एक स्वर में मांग की कि प्रधानमंत्री स्वयं सदन में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण दें।

विंस्टन चर्चिल तुरंत सदन में आए और नाराज़ सदस्यों को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री को मूर्ख कहने के लिए नहीं, बल्कि युद्ध के समय दुश्मन को एक सरकारी राज़ का खुलासा कर देने के कारण गिरफ्तार किया गया था। यह सुनकर पूरा सदन हंस पड़ा।

आज एक वरिष्ठ ब्रिटिश शाही सदस्य को एक कुख्यात अंतरराष्ट्रीय गिरोह के सरगना को गोपनीय जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही ब्रिटेन ने वह दृश्य देखा, जो उसने 1641 के बाद नहीं देखा था, जब इंग्लैंड में शानदार क्रांति हुई थी और किंग चार्ल्स प्रथम को गिरफ्तार किया गया था।

उस वर्ष इंग्लैंड के राजा को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 19 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भविष्य पारदर्शिता, जवाबदेही और मानव-हित पर आधारित होना चाहिए। एआई कुछ देशों या कंपनियों का साधन नहीं बने, बल्कि यह सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का माध्यम बने। प्रधानमंत्री ने एआई के लिए मानव विजन पेश करते हुए कहा कि अवसरों के साथ जोखिम भी हैं, इसलिए इसे मानव-केंद्रित और जिम्मेदार तरीके से विकसित करना जरूरी है।

- इस अवसर पर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिया गुटरेस भी मौजूद थे।

इस मौके पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, वैश्विक तकनीकी कंपनियों के प्रमुख और उद्योग जगत के दिग्गज मौजूद रहे। सम्मेलन के दौरान 'नई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट प्रतिबद्धताओं' की घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य एआई को समावेशी, बहुभाषी और वैश्विक विकास का साधन बनाना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एप्स्टीन से संबंधों के आरोप लगने से बिल गेट्स नदारद हुए एआई समिट से

बिल की अनुपस्थिति के बाद, पुरजोर दबाव बढ़ा कैबिनेट मंत्री हरदीप पुरी पर, इस्तीफा देने के लिए

- पहले तो पुरी यह कहकर बच रहे थे कि वे केवल तीन-चार बार ही एप्स्टीन से मिले हैं और वह भी एक प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में।
- पर, कांग्रेस आरोप लगा रही है कि पुरी झूठ बोल रहे हैं और उनकी 14 मुलाकातें हुई हैं, एप्स्टीन से तथा 62 ई-मेल एक्सचेंज की हैं।
- एप्स्टीन से मुलाकातों की चर्चा के बाद, माइक्रोसॉप्ट ने वक्तव्य जारी किया कि बिल गेट्स अब एआई समिट का ''की नोट उद्बोधन'' नहीं देंगे, क्योंकि वे आईई पर ही फोकस रखना चाहते हैं।
- हाल ही में जारी एप्स्टीन फाइल्स में, एप्स्टीन ने यह दावा किया कि उन्होंने बिल गेट्स को खास दवाइयां उपलब्ध कराई थीं, उस ''बीमारी'' या दिक्कत से ''डील'' करने के लिए जो उन्होंने रूसी बच्चियों से ''सैक्स'' में लिप्त होने से प्राप्त की थी।
- बिल गेट्स की पत्नी मैलिंडा गेट्स ने हाल ही में दिए गए इन्टरव्यु में कहा कि उनके पति बिल गेट्स की एप्स्टीन से मीटिंग्स एक बड़ा कारण थीं, सत्ताईस साल पुरानी शादी टूटने का।

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 फरवरी। दोषी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से अपने जुड़ाव-सम्बन्धी विवाद के चलते इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में शामिल न होने का फैसला करके, माइक्रोसॉफ्ट के पूर्व सीईओ और गेट्स फाउंडेशन के चेयरमैन बिल गेट्स ने अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय विपक्षी नेताओं की उस मांग को बल दिया है, जिसमें वे केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

बिल गेट्स पिछले सप्ताह आंध्र प्रदेश के दौरे पर भारत आए थे। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण से मुलाकात की।

कल तक गेट्स फाउंडेशन का कहना था कि पूर्व माइक्रोसॉफ्ट सीईओ, तय कार्यक्रम के अनुसार, एआई समिट के चौथे दिन मुख्य भाषण देंगे। लेकिन गुरुवार को फाउंडेशन ने बयान जारी कर कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए कि एआई समिट का फोकस उसके मुख्य उद्देश्यों पर बना रहे, बिल गेट्स मुख्य भाषण नहीं देंगे। समिट में गेट्स फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व अफ्रीका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वर्ष 2025 के अंत तक सुप्रीम कोर्ट के 92,101 केस पैंडिंग थे

यह संख्या 2023 की तुलना में 11.4 प्रतिशत अधिक है

- नवम्बर के अंत में सीजेआई सूर्यकांत के पद ग्रहण के बाद से दायर मामलों, व निपटाए गए मामलों के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है।
- नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड आंकड़ों के अनुसार, गत 5 सालों से मामले निपटाने की गति बढ़ी है, फिर भी लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। पिछले सप्ताह केन्द्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद को बताया कि 2025 के अंत तक सुप्रीम कोर्ट में 92,101 मामले लंबित थे। यह संख्या 2023 के अंत की तुलना में 11.4 प्रतिशत अधिक है, तब शीर्ष अदालत में लंबित मामलों की संख्या 82,674 थी। 2024 के अंत में यह संख्या थोड़ी घटकर 82,496 हो गई थी।

नवंबर के अंत में जब मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने पदभार संभाला, उसके बाद दिसंबर में दायर मामलों और निपटाए गए मामलों के बीच का अंतर और बढ़ गया।

नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के आंकड़ों पर नज़र डालने से पता चलता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहलोत सरकार से सीखना पड़ेगा कैसे लगाए जाते हैं रोजगार मेले?

अब जाकर उजागर हुए हैं गहलोत सरकार की सफलताओं के कुछ आयाम!

कौशल, रोजगार और उद्यम विभाग द्वारा युवा संबल मेलों से मिले रोजगार के आंकड़े (13 फरवरी 2026 तक)

आयोजित युवा संबल मेले आयोजन का जिला और तिथि	संबल मेले में भाग ले रही कंपनियों की संख्या	भाग ले रही कंपनियों द्वारा प्रसारित रिक्तियां	मेले में भाग लेने आये युवा उम्मीदवार	युवाओं उम्मीदवारों की कुल संख्या में से अधिसूचित उम्मीदवार	चयनित उम्मीदवार जिन्हें रोजगार पत्र मिला
1 जयपुर (14-15 नवंबर 2022)	72	20597	30920	3661	50 (मेले आयोजन करने के चार साल बाद, जिसमें दो साल गहलोत सरकार के शामिल हैं।)
2 जयपुर (25 दिसंबर 2025)	100	10032	5507	3292	885 (पिछले दो माह में)

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 19 फरवरी। पिछली अशोक गहलोत सरकार के दौरान ही राजस्थान उन प्रदेशों में गिना जाने लगा था, जहां बेरोजगारी सबसे अधिक थी। दिसंबर 2023 में सदन में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में रोजगार दर वर्ष 2021-2022 में 22 प्रतिशत थी, जो 2022-2023 में बढ़ कर 23.1 प्रतिशत हो गई थी। परंतु गहलोत सरकार रोजगार के मुद्दे को लेकर क्या सच्चाई से और निष्ठा से कार्य कर रही थी, या केवल सुर्खियों बटोरने के लिए जिला स्तरीय युवा संबल मेले आयोजित कर रही थी। क्योंकि जयपुर में कौशल रोजगार और उद्यमिता विभाग द्वारा दिए गए आंकडों के अनुसार, 14-15 नवंबर 2022 को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित मेगा जॉब फेयर युवा संबल मेले में जिन 30,920 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, उन में से 13 फरवरी 2026 तक केवल 50 उम्मीदवारों को रोजगार पत्र जारी हुआ है। उल्लेखनीय है कि 2022 के युवा संबल मेले में 72 कंपनियों ने भाग लिया था और इन कंपनियों ने 20,597 रिक्तियां प्रकाशित की थीं।

ये आंकड़े दर्शाते हैं कि गहलोत सरकार ने युवाओं को रोजगार दिलाने की जमीनी समस्या को केवल राजनैतिक मुद्दा ही समझा था, जिसे अपने राजनैतिक फायदे के लिए उपयोग में लाया जा सकता था और फोटो खिंचवा कर सुर्खियां बटोरी जा सकती थी।

तुलना के लिए, वर्तमान सरकार द्वारा 25 दिसंबर 2025 को जयपुर में आयोजित युवा संबल मेले में सौ कंपनियों ने भाग लिया था। इन कंपनियों ने 10,032 रिक्तियां प्रकाशित करी थीं, जिनको भरने के लिए करीबन 5,507 ने युवाओं ने आवेदन किया था, इनमें से 3,292 को कंपनियों द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया था और 13 फरवरी 2026 तक 885 युवाओं को रोजगार पत्र भी प्राप्त हो चुका है।

'बिना इजाज़त देश नहीं छोड़ूंगा'

नई दिल्ली, 19 फरवरी। रिलायंस (एडीएजी) के चेयरमैन अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट में बड़ा हलफनामा पेश किया, जिसमें उन्होंने बड़ा दावा किया है। उन्होंने 40,000 करोड़ रुपए के कथित बैंकिंग और कॉरपोरेट धोखाधड़ी मामले में कहा कि, ''बिना किसी पूर्व अनमति के देश नहीं छोड़ूंगा।'' उन्होंने

- 40,000 करोड़ रु. के बैंकिंग घोटाले केस में अनिल अंबानी ने हलफनामा दायर कर घोषणा की।

यह भी भरोसा दिलाया कि जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करेंगे।

यह मामला अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) से जुड़ा है, जिस पर बड़े पैमाने पर फंड डायवर्जन और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने शपथपत्र में अंबानी ने कहा, ''मैं शपथ लेकर कहता हूं कि जुलाई 2025 में जांच शुरू होने के बाद से मैंने भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल विदेश जाने का कोई इरादा नहीं है।'' उन्होंने आगे कहा कि अगर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रील के एम.डी. की नियुक्ति रद्द किए जाने के मामले में अपील दायर

- अपीलार्थी बृजेश दीक्षित ने कहा कि नियुक्ति के लिए गठित बोर्ड में राज्य सरकार या राज्य सरकार के मुख्य सचिव की कोई भूमिका न तो है और न ही रही है, परन्तु एकलपीठ में अपने फैसले में गलत तथ्य और तर्क दर्ज कर उनको रील के प्रबन्ध निदेशक के पद से हटाने के आदेश दिए।
- बृजेश दीक्षित की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता, ए.के. शर्मा और सुरूचि कासलीवाल ने अदालत को बताया कि तत्कालीन मुख्य सचिव की ओर से भी पत्र लिखकर स्पष्टीकरण दिया गया था कि रील के एम.डी.की चयन प्रक्रिया में राज्य सरकार के मुख्य सचिव को कभी भी पक्षकार नहीं बनाया गया है। और न ही उनके पास कोई अधिकार है, परन्तु अदालत ने अपना फैसला सुनाते समय इस पत्र को आधार नहीं बनाया है।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 19 फरवरी। राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (रील) के प्रबंध निर्देशक बृजेश दीक्षित की नियुक्ति को रद्द किए जाने के फैसले के खिलाफ राजस्थान हाई कोर्ट में अपील दायर हुई। अपीलार्थी ब्रजेश दीक्षित ने अपील पर अंतिम निर्णय से पूर्व अदालत से गुहार की है कि उनकी नियुक्ति रद्द करने के एकल पीठ के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा और न्यायाधीश संगीता शर्मा ने मामले की सुनवाई 20 फरवरी को तय की है तथा उस दिन इसे तीसरे नम्बर पर सूचीबद्ध किया है। इस मामले में अपीलार्थी ब्रजेश दीक्षित की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता ए के शर्मा और अधिवक्ता सुरुचि कासलीवाल पैरवी के लिए पेश हुए थे।

उल्लेखनीय है कि अशोक कुमार जैन की एकल पीठ ने 13 फरवरी को ही उक्त मामले पर फैसला सुनाया था, जिसके आदेश की प्रति कल ही मीडिया साथ साझा की गई है। इस आदेश में एकल पीठ ने मुख्य तौर पर दो मुद्दों को आधार बनाते हुए रील के प्रबंध निर्देशक की नियुक्ति को रद्द किया, जिनमें पहला था कि प्रबंध निदेशक की चयन प्रक्रिया के दौरान सभी नियम कायदों की पालना नहीं की गई। अदालत ने नियुक्ति को चुनौती दे रहे याचिकाकर्ता के तर्क को स्वीकारा और कहा कि चयन बोर्ड में राज्य सरकार के मुख्य सचिव को शामिल किया जाना चाहिए था। अदालत ने जिस दूसरे तर्क को निर्णय के लिए आधार बनाया, वो यह था कि रील केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के बीच हुए एक संयुक्त उपक्रम का परिणाम है, जिसमें से 51 प्रतिशत भागीदारी केन्द्र सरकार के हैवी इंडस्ट्रीज मंत्रालय की है और 49 प्रतिशत राज्य सरकार की रीको के माध्यम से है।

आज सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता ए के शर्मा ने अदालत को कहा कि एकल पीठ को गलत तर्क और तथ्य बताए गए कि राज्य सरकार के मुख्य सचिव चयन बोर्ड में शामिल हैं।

उन्होंने आगे यह भी कहा कि पूर्व में भी यह कभी नहीं हुआ कि रील के प्रबंध निर्देशक की नियुक्ति के लिए गठित बोर्ड में राज्य सरकार के मुख्य सचिव को आमंत्रित किया गया हो या पक्षकार बनाया गया हो।

उन्होंने अदालत को बताया कि इस संदर्भ में स्वयं मुख्य सचिव ने पत्र के जरिए स्पष्टीकरण दिया है कि वे इस बोर्ड का हिस्सा नहीं है और न पहले रहे है। उन्होंने अदालत को बताया कि यह पत्र अतिरिक्त महाधिवक्ता (ए ए जी) के माध्यम से एकल पीठ के समक्ष भी प्रस्तुत किया गया था, परंतु अदालत ने अपना फैसला सुनाते समय उक्त पत्र को आधार नहीं बनाया।

आज सुनवाई के दौरान केन्द्र सरकार व हैवी इंडस्ट्रीज़ मंत्रालय की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (ए एस जी) भी पैरवी के लिए प्रस्तुत थे। उन्होंने अदालत को कहा कि एकल पीठ ने रीको और केन्द्र सरकार के संयुक्त उपक्रम को गलत दृष्टिकोण से देखा है। उन्होंने अदालत को कहा कि रीको राज्य सरकार की एक कंपनी ज़रूर है और उसके कर्मचारी भी सरकारी कर्मचारी हैं, और एक प्राइवेट पार्टी रीको के खिलाफ अपने कानूनी व संवैधानिक अधिकारों को लागू करने के लिए रिट याचिका दायर करे तो उसे राज्य सरकार की ही एक इकाई माना जाएगा, परंतु रीको जब किसी कमर्शियल अनुबंधन में सम्मिलित होता है तो उसे राज्य सरकार का अंग या विभाग नहीं माना जा सकता। उन्होंने अदालत को बताया कि रील केन्द्र सरकार द्वारा ही प्रशासित एक कंपनी है, इसलिए उसके एम डी की नियुक्ति की प्रक्रिया केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाती है, जिसमें राज्य और राज्य के मुख्य सचिव का न तो कोई पक्ष होता है और न ही कोई प्रतिनिधि। उन्होंने अदालत को यह भी कहा कि रील एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण सरकारी कंपनी है, जिसके एम डी की नियुक्ति रद्द किए जाने के कारण कई महत्वपूर्ण कामों में बाधा उत्पन्न होंगी। उन्होंने अदालत को बताया कि हाल ही में उन्होंने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि प्रदेश भर में दूध इकट्ठा कर रही डेरियों में दूध की शुद्धता सुनिश्चित की जाए, क्योंकि कई बड़ी ब्रांड्स के दूध के सैंपल मामूली जांचों में भी फेल होने की खबर सुर्खियों में थी। उन्होंने अदालत को बताया कि रील ही एक मात्र ऐसी संस्था है, जो दूध की शुद्धता नापने का उपकरण बनाती हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने लंबी सुनवाई के लिए इसे कल सूचीबद्ध किया है।

देश के बाकी राज्यों में अप्रैल से एसआईआर शुरु

नई दिल्ली, 19 फरवरी। चुनाव आयोग ने देश के बाकी बचे राज्यों में भी मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। संभावना है कि बाकी बचे राज्यों में अप्रैल से यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

- चुनाव आयोग ने इस संबंध में राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखा है।

चुनाव आयोग ने इस संबंध में संबंधित राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को पत्र लिखा है। इन राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, लद्दाख, महाराष्ट्र,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व की सर्वश्रेष्ठ कला, संगीत व साहित्य में भी कमियाँ देखी जा सकती है लेकिन उनके यश और सौंदर्य का आनंद लेना श्रेयस्कर है।

–श्री परमहंस योगानंद

राजस्थानी कला एवं संस्कृति: चुनौतियां और संरक्षण की पुकार

राजस्थान, भारत का वह रंगीन राज्य है जहाँ रेगिस्तान की सुनहरी रेत पर बिखरी कला और संस्कृति की धरोहर सदियों से चमक रही है। यहाँ की कला केवल चित्रकारी या शिल्प नहीं, बल्कि जीवन का आधार है एक ऐसी धुरी जो समाज को जोड़ती है, पहचान देती है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती है। लेकिन सवाल उठता है:– राजस्थान में कला एवं संस्कृति के महत्व को कौन समझेगा? क्या वे समझेंगे जो आधुनिकता के नाम पर परंपराओं को भूलते जा रहे हैं? क्या वे जो विकास के बहाने धरोहर को कुर्बान कर देते हैं? या फिर वे ही जो इस मिट्टी से जुड़े हैं, जिनके खून में राजस्थानी संस्कृति का रंग घुला है? यह आलेख इसी प्रश्न की गहराई में उतरता है, राजस्थान की कला–संस्कृति के महत्व को उजागर करता है और बताता है कि इसे नजरअंदाज करना राज्य के भविष्य के लिए कितना घातक है।

राजस्थान की कला एवं संस्कृति की जड़ें इतिहास की मिट्टी में गहरी धंसी हैं। यहाँ के राजपूत राजाओं ने किलों, महलों और हवेलियों के माध्यम से अपनी कला को अमर कर दिया। जयपुर का हवा महल, उदयपुर का सिटी पैलेस, जोधपुर का मेहरानगढ़ किला ये केवल पत्थर के ढांचे नहीं, बल्कि जीवंत कला के प्रतीक हैं। इनकी दीवारों पर उकेरी गई जटिल नक्काशी, रंगीन फ्रेस्को चित्रकला और आभूषणों जैसी शिल्पकला राजस्थान की समृद्धि और कल्पनाशीलता का प्रमाण है। मिनिएचर पेंटिंग्स, जो मुगल काल से प्रभावित हैं, प्रेम, युद्ध, प्रकृति और धार्मिक कथाओं को जीवंत करती हैं। उदाहरणस्वरूप, बूंदी और किशनगढ़ शैली की चित्रकलाएँ इतनी कोमल हैं कि वे राधा–कृष्ण के प्रेम को कैनवास पर उतार देती हैं। लेकिन क्या आज का राजस्थानी युवा इनकी गहराई समझता है? शहरीकरण के दौर में ये चित्र संग्रहालयों की धूल में सिमटते जा रहे हैं, जबकि इनमें जीवन दर्शन छिपा है धैर्य, संघर्ष और सौंदर्य का समन्वय।

संस्कृति के बिना कला अधूरी है। राजस्थान की लोक संस्कृति त्योहारों, नृत्यों और संगीत में सांस लेती है। तीज, गणगौर, दीपावली जैसे पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामूहिक एकता के प्रतीक हैं। घूमर नृत्य की घूंघट वाली महिलाएँ रेगिस्तान की कठोरता में कोमलता का संदेश देती हैं। कालबेलिया नृत्य, जो यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर में शामिल है, सर्पिल चालों और माँ सरस्वती को समर्पित लोकगीतों से भरा है। मांडणा, जो दीवारों पर चावल के आटे से बनाई जाती है, ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता का प्रतीक है। ये सभी तत्व राजस्थानी संस्कृति को जीवंत रखते हैं। लेकिन महत्व का प्रश्न यहाँ आता है: क्या सरकारी योजनाएँ इनकी रक्षा कर पा रही हैं? पर्यटन विभाग तो इन्हें बेच रहा है, पर मूल भावना को कौन संरक्षित करेगा? बाहर से आने वाले पर्यटक फोटो खींचकर चले जाते हैं, लेकिन स्थानीय कलाकार भुखमरी के कगार पर हैं। एक सर्वे के अनुसार, राजस्थान के 70 प्रतिशत पारंपरिक शिल्पकारों की आय घट रही है, क्योंकि बाजार में चीनी नकली सामान हावी हो गया है।

कला एवं संस्कृति का आर्थिक महत्व भी कम नहीं। राजस्थान पर्यटन पर निर्भर अर्थव्यवस्था का केंद्र है, जहाँ कला ही मुख्य राजस्व स्त्रोत है। बाँसवाड़ा के चित्रकला, जयपुर की ब्लॉक प्रिंटिंग, जोधपुर की लकड़ी की नक्काशी और बीकानेर की मिनिएचर पेंटिंग्स विश्वविख्यात हैं। ये शिल्प करोड़ों का कारोबार करते हैं। राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला या पुष्कर मेला जैसे आयोजन हजारों कलाकारों को रोजगार देते हैं। लेकिन कौन समझेगा कि यदि ये कला लुप्त हो गई, तो लाखों परिवार सड़क पर आ जाएँगे? हाल के वर्षों में, कोविड महामारी ने साबित कर दिया कि जब पर्यटन ठप होता है, तो कला पर पहला प्रहार पड़ता है। तब सरकार ने राजस्थान स्टूडियो जैसी योजनाएँ शुरू कीं, पर वे पर्याप्त नहीं। सच्चा महत्व तब समझ आएगा जब हम कला को उद्योग से जोड़ेंगे डिजाइनर ब्रांड्स के साथ साझेदारी, ई–कॉमर्स पर वैश्विक बाजार। राजस्थान सरकार की राज–रिको जैसी संस्थाएँ शिल्पकों को प्रशिक्षण दे रही हैं, लेकिन प्रशिक्षण के बाद बाजार तक पहुँच कौन सुनिश्चित करेगा?

भविष्य की चुनौतियाँ स्पष्ट हैं। जलवायु परिवर्तन रेगिस्तान को प्रभावित कर रहा है, जिससे पारंपरिक रंग और सामग्री प्रभावित हो रही हैं। शहरीकरण ने हवेलियों को होटल बना दिया, लेकिन उनकी कला को संरक्षित कौन करेगा? वैश्वीकरण में चीनी सामान ने स्थानीय बाजार छीन लिया। फिर भी आशा है। एनजीओ जैसे उषा किरण और क्राफ्ट्स काउंसिल ऑफ राजस्थान शिल्पकारों को सशक्त बना रहे हैं। युवा उद्यमी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर राजस्थानी कला बेच रहे हैं।

सामाजिक स्तर पर कला एवं संस्कृति राजस्थान की पहचान हैं। यहाँ की बोली–मारवाड़ी, शेखावाटी, मेवाड़ी लोकगीतों में बसी है। कबीर, मीरा और अन्य संतों की वाणी आज भी भजन–कीर्तनों में गूँजती है। पुष्कर का ऊँत मेला या जैसलमेर का डेजर्ट फेस्टिवल इन परंपराओं को जीवित रखते हैं। ये आयोजन न केवल सामाजिक एकता लाते हैं, बल्कि लैंगिक समानता को भी बढ़ावा देते हैं। घूमर और गैर नृत्यों में महिलाएँ मुख्य भूमिका निभाती हैं, जो रूढ़िवादी समाज में सशक्तिकरण का प्रतीक है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी कला से जुड़ी है भगोरिया मेले में प्रकृति पूजा या रेगिस्तानी लोककथाएँ जल संरक्षण सिखाती हैं। लेकिन आधुनिकीकरण के नाम पर ये परंपराएँ विलुप्त हो रही हैं। शहरी युवा बॉलीवुड पर झूम रहा है, जबकि लोक संगीत भूल रहा है। कौन समझेगा कि संस्कृति के बिना पहचान खो जाएगी? राजस्थान की 80 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है, जहाँ कला ही शिक्षा का माध्यम है। स्कूलों में लोककला को पाठ्यक्रम में शामिल करने से बच्चे अपनी जड़ों से जुड़ेंगे।

शिक्षा और नैतिक मूल्यों के संदर्भ में कला का महत्व अपार है। राजस्थान के शिल्प जैसे बंधेज, लहरिया और साफा बनाना केवल हुनर नहीं, बल्कि अनुशासन सिखाते हैं। एक बंधेज साड़ी बनाने में महीनों लगते हैं, जो धैर्य का पाठ पढ़ाती है। कठपुतली कला, जो भीलवाड़ा और उदयपुर में प्रचलित है, रामायण–महाभारत की कथाएँ सुनाती है, जो नैतिकता का संदेश देती हैं। संगीत की राग–रागिनियाँ भावनाओं को शांत करती हैं। लेकिन आज डिजिटल युग में ये कला स्क्रीन पर सिमट रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो तो बनते हैं, पर मूल शिल्पकार को श्रेय कौन देता है? शिक्षा विभाग को चाहिए कि कलामंदिर जैसे केंद्र स्थापित करे, जहाँ बच्चे कला सीखें। इससे न केवल बेरोजगारी कम होगी, बल्कि सांस्कृतिक निरंतरता बनी रहेगी।

भविष्य की चुनौतियाँ स्पष्ट हैं। जलवायु परिवर्तन रेगिस्तान को प्रभावित कर रहा है, जिससे पारंपरिक रंग और सामग्री प्रभावित हो रही हैं। शहरीकरण ने हवेलियों को होटल बना दिया, लेकिन उनकी कला को संरक्षित कौन करेगा? वैश्वीकरण में चीनी सामान ने स्थानीय बाजार छीन लिया। फिर भी आशा है। एनजीओ जैसे उषा किरण और क्राफ्ट्स काउंसिल ऑफ राजस्थान शिल्पकारों को सशक्त बना रहे हैं। युवा उद्यमी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर राजस्थानी कला बेच रहे हैं। सरकार की एक जिला एक उत्पाद योजना भी सहायक है। लेकिन महत्वपूर्ण है जागरूकता। राजस्थानी समाज को खुद आगे आना होगा–स्कूलों में कला उत्सव, कॉलेजों में वर्कशॉप्स। राजनीतिक नेता भी इसे प्रचार का साधन न बनाएँ, बल्कि नीतिगत समर्थन दें।

अंत में, राजस्थान में कला एवं संस्कृति के महत्व को वही समझेगा जो इस मरुस्थल की गहराई जानता है। यह केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने इसे संरक्षित नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियाँ केवल किताबों में पढ़ेंगी कि कभी राजस्थान रंगों का संसार था। आज ही संकल्प लें कला को अपनाएँ, संस्कृति को जियें। क्योंकि राजस्थान की आत्मा यही है। कौन समझेगा? हम सब समझेंगे, यदि इच्छाशक्ति हो।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

"रील इज रियल" : केन्द्रीय और राज्य बजट ने ऑरेंज इकोनॉमी को बड़ा बूस्ट दिया

2030 तक 20 लाख प्रशिक्षित युवाओं को इस सेक्टर में रोजगार के अवसर मिलने लगेंगे

ब्रजेश सामरिया

केन्द्र और राजस्थान के वर्ष 2026–27 के बजट से देश के सबसे बड़े क्रिएटिव टैलेंट मूवमेंट को जबरदस्त बढ़ावा मिला है। केन्द्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुसार मुंबई स्थित इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ क्रिएटिव टैक्नोलॉजी (आईआईसीटी) देशभर में 15,000 माध्यमिक विद्यालयों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) कंटेंट क्रिएटर्स लैब स्थापित करेगा ताकि इस सेक्टर में वर्ष 2030 तक आवश्यक 20 लाख पेशेवरों की मांग पूरी की जा सके। इस घोषणा को राजस्थान बजट 2026–27 की ड्रीम (डिजिटल रेडीनेस एंड एम्पावरमेंट थ्रू असिस्टेड मेंटरिंग) घोषणा से सुसंगत कर देखे तो इस सेक्टर के उभरते महत्व को समझने में मदद मिलगी। इसके अन्तर्गत आगामी वर्ष प्रथम चरण में लगभग 50 हजार विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता से आगे जाकर डिजिटल सक्षम बनाया जाएगा। 2008 में आई छोटा भीम के पात्रों पर आधारित कैफे चैन शुरू होने जा रही हैं। नितेश तिवारी निर्देशित रामायण मूवी के 2 पार्ट के कुल बजट 4000 करोड़ रूपये का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा वीएफएक्स, एआई डबिंग, संगीत का है, ये सब ऑरेंज इकोनॉमी के पार्ट हैं।

इस सेक्टर की महत्ता समझने के लिए हमें 12 जनवरी, 2026 की ओर लौटना होगा। स्थान था, भारत मण्डपम, जहाँ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026' को संबोधित कर रहे थे। उस सत्र में प्रधानमंत्री ने भारतीय एवीजीसी उद्योग से इस उभरते हुए वैश्विक क्षेत्र की अपार संभावनाओं को चुनौती के रूप में लेकर अवसर मानने और सफल होने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि बजरंगबली जैसे चरित्र अकेले ही मारियो, हीमैन या सुपरमैन जैसे कई स्थापित वैश्विक पात्रों के संयुक्त दर्शक, पाठक या गेम्स प्लेयर्स से ज्यादा उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। मोदीजी का विजन है कि भारत को वैश्विक एवीजीसी उद्योग का न केवल बड़ा स्टैकहोल्डर बनना है, उसे विश्व का नेतृत्व करना चाहिए।

विशेषज्ञों और उद्योग संगठनों का अनुमान है कि वैश्विक गेमिंग उद्योग 2030 तक 436 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच सकता है। यह केवल जीडीपी का विषय नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर फैलाने का एक अभिनव माध्यम है। रामायण और महाभारत के पात्र मिकी माउस, मारियो या पिकाचू जैसे अंतरराष्ट्रीय पात्रों को सफलतापूर्वक चुनौती दे सकते हैं। भारत के लाखों गांवों, हजारों महलों–किलों की अनगिनत दुःखान्त, सुखान्त, प्रेम, वीरता, त्याग, बलिदान से सम्बंधित कहानियों को सैकड़ों मंचों और माध्यमों पर रोमांचक ढंग से प्रस्तुत किया जा सकता है।

मोदी युग में संचार केवल अर्थव्यवस्था और प्रचार तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं के सशक्तीकरण, विकसित भारत @2047 के लक्ष्य और भारतीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। भारत की वैश्विक सॉफ्ट पावर में आध्यात्म, बुद्ध, गांधी, आयुर्वेद, गंगा, अहिंसा और योग के साथ अब गेमिंग भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 के अनुसार, 2024 में ऑरेंज इकोनॉमी 100 अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है और यह पर्यटन तथा शहरी सेवाओं में सकारात्मक प्रभाव डाल रही है। एनिमेशन और वीएफएक्स जैसे निर्यात–उन्मुख क्षेत्रों ने 2024 में लगभग 103 अरब रूपये का राजस्व अर्जित किया जबकि गेमिंग क्षेत्र ने मोबाइल प्लेटफॉर्म और डिजिटल भुगतान के बल पर लगभग 232 अरब रूपये का राजस्व प्राप्त किया।

ऑरेंज इकोनॉमी रचनात्मकता, संस्कृति और बौद्धिक संपदा पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जहाँ मूल्य भौतिक वस्तुओं से नहीं बल्कि विचारों, ज्ञान और कलात्मक अभिव्यक्ति से पैदा होता है। इसका एक प्रमुख हिस्सा 'कंसर्ट इकोनॉमी' है, जिसमें बड़े स्तर के लाइव संगीत और मनोरंजन कार्यक्रम तथा उनसे जुड़े हॉस्पिटिलिटी, ट्रैवलिंग, टिकट बिक्री, लॉजिस्टिक्स, मीडिया, विज्ञापन और स्थानीय सेवाएँ शामिल हैं। वैश्विक स्तर पर लाइव संगीत कुल संगीत राजस्व का लगभग एक–तिहाई हिस्सा है। अमेरिका में 2019 में इसने 130 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व और 9 लाख नौकरियाँ दीं जबकि ब्रिटेन में 2022 में संगीत पर्यटन ने 6.6 अरब पाउंड का योगदान दिया।

पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में कंसर्ट इकोनॉमी अभी शुरूआती चरण में है लेकिन युवा आबादी, बढ़ती आय, डिजिटल टिकटिंग प्लेटफॉर्म और बेहतर शहरी बुनियादी ढांचे के कारण यह तेजी से बढ़ रही है और भविष्य में युवाओं की जनसंख्या में अधिकता के बल पर भारत इसका स्वभाविक नेतृत्वकर्ता माना जा सकता है क्योंकि मुख्यतः वे ही क्रिएटर और ग्राहक हैं। सुव्यवस्थित अनुमतियाँ, स्पष्ट नियम, भीड़ प्रबंधन, बेहतर कनेक्टिविटी और प्रशासनिक समन्वय इसकी सफलता के लिए आवश्यक हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थापित लाइव इवेंट्स डेवलपमेंट सेल इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस सेल ने बहुत कम समय में देशभर में इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को उच्च स्तरीय एकल खिड़की जैसा मंच उपलब्ध करवाया है।

अगला चरण' पर्यटन और आतिथ्य–आतिथ्य उद्योग विश्व के सामने देश की छवि गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन क्षेत्र प्रति रूपये या डॉलर के निवेश पर विनिर्माण या सेवा सेक्टर की तुलना में अधिक रोजगार सृजित करता है। यह विशेष रूप से युवाओं तथा अर्द्ध–कुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए अवसर प्रदान करता है। यह पर्यावरण की दृष्टि से सबसे सक्षम उद्योग माना जा सकता है।

भारत के पास अजंता–एलोरा, अयोध्या–वाराणसी और ताजमहल–लाल किला जैसे विश्वप्रसिद्ध स्थल हैं फिर भी विदेशी पर्यटकों की संख्या तुर्की, पोलैंड, सिंगापुर और थाईलैंड जैसे कम क्षेत्रफल वाले देशों से कम है। यह बुनियादी ढांचे और अन्य सुधारों की आवश्यकता को दर्शाता है। इस आवश्यकता को केन्द्रीय बजट 2026–27 पूरा करने का बड़ा प्रयास है।

बजट में 20 प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए 10,000 ट्यूरिस्ट गाइड को प्रशिक्षित करने, वन्यजीव, ट्रेकिंग और प्रकृति–आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की घोषणा की गई है। साथ ही, 3 आयुर्वेद एम्स और 5 क्षेत्रीय आयुष मेडिकल हब की स्थापना से मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। भारत मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में पहले से ही किफायत और उच्चतम स्टैंडर्स के चलते प्रतिष्ठित है।

ब्रजेश सामरिया, जनसंपर्क अधिकारी।

भारत का एआई उत्सव: एक नया वैश्विक अध्याय

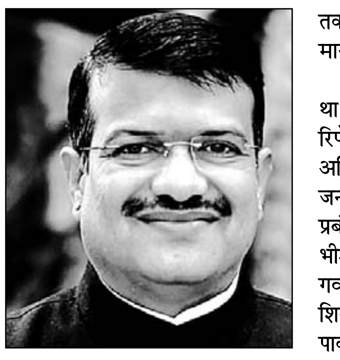

डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत

नई दिल्ली का भारत मंडपम फरवरी 2026 में सिर्फ एक जगह नहीं रहा–यह भारत की एआई महत्वाकांक्षा का जीवंत केंद्र बन गया। 16 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन के साथ शुरू हुआ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 अब तक के सबसे बड़े एआई आयोजनों में शुमार हो चुका है। सुबह से शाम तक लाखों उत्साही लोग, स्टार्टअप्स, वैश्विक सीईओ और सरकारी प्रतिनिधि यहां जुटे। एलईडी स्क्रीन्स पर चमकता संदेश पीपल, प्लैनेट, प्रोग्रेस हर किसी को याद दिलाता रहा कि यह सिर्फ तकनीक का मेला नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य का उत्सव है।

यह समिट संख्या में भी अनोखा था। सरकारी आंकड़ों और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2.5 लाख से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए, इतना जनसैलाब कि पहले दिन ही भीड़ प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो गया। लेकिन यही भीड़ भारत की सफलता की सबसे बड़ी गवाही है। जहां पहले के वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन–2023 का ब्लेचली पार्क, 2024 का सियोल और 2025 का पेरिस कुछ सौ चुनिंदा लोगों तक सीमित रहे, वहीं दिल्ली का यह मंच खुला, लोकतांत्रिक और जन–केंद्रित था। ब्लेचली में सुरक्षा और जोखिमों पर गंभीर चर्चा हुई, सियोल में नवाचार और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताएं, पेरिस में निवेश और एक्शन पर फोकस। भारत ने इन सबको अपनाया, लेकिन पैमाना बढ़ाकर इसे वैश्विक दक्षिण का पहला बड़ा मंच बना दिया जहां 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, 20 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्ष, 60 से अधिक देशों के मंत्री और सैकड़ों टेक लीडर्स शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन में स्पष्ट किया एआई भारत के लिए नहीं, पूरी दुनिया के लिए समाधान लाएगा। समिट में कई ठोस कदम सामने आए: इंडिया एआई मिशन के तहत मौजूदा 38,000 जीपीयू को 65 प्रति घंटा की सब्सिडी दर पर उपलब्ध कराना, जल्द ही 20,000 और जीपीयू जोड़ने की घोषणा, 22 भारतीय भाषाओं में स्वदेशी फाउंडेशन मॉडल्स का मजबूत समर्थन, स्टार्टअप्स के लिए वेंचर फंडिंग और कुल मिलाकर 10,300 करोड़ का विस्तारित बजट। ये कदम कंप्यूट की कमी को दूर कर रहे हैं जो एआई में असली कुंजी है। छोटे किसानों के लिए स्मार्ट कृषि, स्कूलों में व्यक्तिगत शिक्षा, दूर–दराज के गांवों में टेलीमेडिसिन ये अब सिर्फ प्रदर्शन नहीं, बल्कि वास्तविक उपयोग के उदाहरण बन रहे हैं।

भारत की रणनीति स्मार्ट और संतुलित है। अमेरिका–चीन के बीच चिप्स और नियंत्रण की कड़ी प्रतिस्पर्धा में भारत खुद को तटस्थ सेतु के रूप में पेश कर रहा है। यहां एआई को प्रभुत्व की बजाय प्रभाव की भाषा में देखा जा रहा है–गांव–गली तक पहुंचाने वाला विकास का औजार। 600 से ज्यादा स्टार्टअप्स, 13 देशों के पवेलियन, 300 प्रदर्शक और 30 देशों की भागीदारी ने इसे एक जीवंत एक्सपो में बदल दिया। सुंदर पिचाई, सैम ऑल्टमैन, डैरियो आमोदेई जैसे ग्लोबल लीडर्स यहां आए, जो भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण है।

कुछ लोग पहले दिन की भीड़, कतारों और कनेक्टिविटी की चुनौतियों को लेकर बात कर रहे हैं। लेकिन यही उत्साह भारत की ताकत दिखाता है। आधार और यूपीआई की शुरुआत में भी ऐसी ही अव्यवस्था थी, लेकिन आज वे दुनिया की मिसाल हैं। एआई में भी भारत पहले विस्तार करता है, फिर परिष्कार। यह साहस का मॉडल है–जो तेजी से बदलाव लाता है। समिट के दौरान एक्सपो को एक अतिरिक्त दिन तक बढ़ाना पड़ा, क्योंकि उत्साह थम ही नहीं रहा।

भारत की सॉफ्टवेयर प्रतिभा अब घर में रुक रही है। डेटा सेंटर्स में निवेश आ रहा है नंवीडिया , इंटेल , योटा जैसे नाम जुड़ रहे हैं। 20–50 बिलियन पैरामीटर वाले व्यावहारिक मॉडल्स प्रदर्शित हुए, जो लागत–दक्ष और बहुभाषी हैं। यह निर्भरता नहीं, साझेदारी है–जो रोजगार, क्षमता और स्वदेशी इकोसिस्टम को मजबूत करेगी। यह समिट चिंगारी है भविष्य का दांव, जो जीता जा चुका है। पैमाना गति पैदा करता है। लाखों लोगों को जोड़कर भारत एआई की ऐसी संस्कृति बना रहा है जो बंद कमरों से नहीं, खुले मंच से जन्म लेती है। अब अगला पड़ाव संस्थागत मजबूती का है मजबूत शोध केंद्र, विश्वस्तरीय कंप्यूट क्लस्टर और संतुलित नियामक फ्रेमवर्क।

भारत मंडपम में जो ऊर्जा दिखी, वह एक बेचैन राष्ट्र की थी ।सदी की सबसे बड़ी तकनीक में अपनी जगह बनाने की। मेले खत्म होते हैं, लेकिन संस्थाएं टिकती हैं। इस उत्सव की चिंगारी अगर अनुशासन में ढली जो निश्चित है। तो इतिहास इसे शुरुआत कहेगा। बैरिकेड अब सुरक्षा के नहीं, भारत की बढ़ती शक्ति के प्रतीक हैं।

भारत एआई में आगे बढ़ रहा है। यह हकीकत है। 22 भाषाओं का एआई, करोड़ों यूजर्स, विशाल डेवलपर कम्युनिटी और अब वैश्विक मंच–ये सब मिलकर भारत को ग्लोबल लीडर बना रहे हैं। पीपल, प्लैनेट और प्रोगेस सिर्फ नारा नहीं, भारत की एआई सोच है समावेशी, महत्वाकांक्षी और जन–केंद्रित। जब भारत इरादा करता है, तो पूरा करता है।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
भाजपा प्रदेश प्रवक्ता।

अलवर में दो आईएएस अधिकारियों ने सादगी से शादी की

अलवर, (निसं)। अलवर में दो आईएएस अधिकारी शादी के बंधन में बंधे। शादी में न बैंड बाजा था, न पंडित और न ही बाराती। दूल्हा और दुल्हन अपने परिवार वालो के साथ आए थे।

जानकारी के अनुसा अलवर एसडीएम माधव भारद्वाज और गुजरात के जाम नगर की एसडीएम अदिति वासने ने बुधवार को जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला के सामने अपनी शादी रजिस्टर्ड करवाई। माधव और अदिति 2023 बैच के आईएएस हैं। कलैक्टर के चैंबर में वर–वधू ने एक–दूसरे को माला पहनाई। शादी की खबर लगते ही कुछ ही देर में आसपास के कर्मचारी और अधिकारी कलैक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला के चैंबर में पहुंच गए। कलैक्टर के चैंबर में ही दोनों ने एक–दूसरे को वरमाला पहनाई। एसडीएम माधव भारद्वाज पुत्र राजकुमार भारद्वाज मूल रूप से मसूरी के रहने वाले हैं। एसडीएम अदिति वासने यूपी के बरेली की रहने वाली हैं।

अलवर एसडीएम माधव भारद्वाज और गुजरात के जामनगर की एसडीएम अदिति वासने विवाह बंधन में बंधे।

वर–वधू ने बताया कि दोनों की मुलाकात आईएएस ट्रेनिंग के दौरान हुई थी। इसके बाद एक–दूसरे को पसंद करने लगे और अब शादी की है। अदिति 2023 में पहले प्रयास में

■ शादी में न बैंड बाजा था, न पंडित और न ही बाराती, वहीं दूल्हा और दुल्हन अपने परिवार वालों के साथ आए थे

आईएएस में 57वीं रैंक लेकर आई थी। वे दिल्ली विवि के जीसस एंड मैरी कॉलेज से बीए ऑनर्स करने के बाद सिविल सेवा की तैयारी में लग गई थी। अब वे गुजरात के जाम नगर में प्रांत अधिकारी हैं। वहीं माधव भारद्वाज की 2023 में 536वीं रैंक आई थी। वे एनआईटी प्रयागराज से कंप्यूटर साइंस में बीटेक और आईआईएम अहमदाबाद से एमबीए की। उसके बाद माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में नौकरी भी की। इसके साथ सिविल सेवा की तैयारी की थी। आईएएस ट्रेनिंग के समय अदिति व माधव की मुलाकात हुई थी।

चूरू : निजी बस मालिकों की मनमानी से यात्री परेशान

चूरू, (कासं)। चूरू जिला मुख्यालय से आने–जाने वाली निजी बस मालिकों की मनमानी से यात्री परेशान हैं। यहां निजी बसों द्वारा यातायात के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार निजी बस मालिक यात्रियों से मनमाना किराया वसूलते हैं। इतना ही नहीं रूट कहीं का ले रखा है और चलते कहीं और मार्ग पर हैं। समय की भी कोई पाबंदी नहीं है। बस स्टैंड से चलकर कलेक्ट्रेट के पास खड़े हो जाते हैं फिर सीएम बहड़ सर्किल पर थम जाते हैं। उधर वाले फाटक के पास बस खड़ी कर देते हैं। कभी बारात लेकर चले जाते हैं तो यात्री बस का इंतजार ही करते रह जाते हैं। यात्रियों को बुरी तरह भर लेते हैं। बस की छत और केबिन में भी सवारियों को बैठा लेते हैं। चलती बस में चालक द्वारा मोबाइल पर बात करना और धूम्रपान करना तो आम बात है। कई तो शराब के नशे में भी बस को चलाते हुए देखे जा सकते हैं। कहने वाले यात्री से झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं।

राशिफल

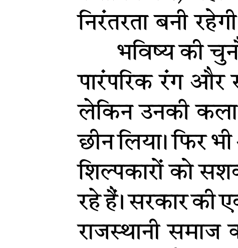

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 20 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:07 तक, साध्य योग सायं 6:23 तक, गर करण दिन 2:39 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मकर, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज राजयोग सूर्योदय से दिन 2:39 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग रात्रि 8:07 से सूर्योदय तक है। रवियोग रात्रि 8:07 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 1:50 से आरम्भ होगी। आज पंचक है। आज राष्टीय फाल्गुन मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:28 तक, लाभ–अमृत 8:28 से 11:16 तक, शुभ 12:41 से 2:05 तक, चर 4:54 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 6:18

मेष
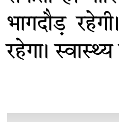
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष
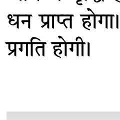
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
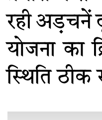
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
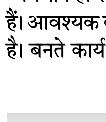
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या
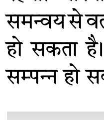
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
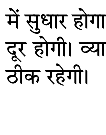
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
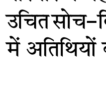
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
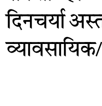
घर–परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
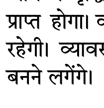
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
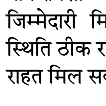
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
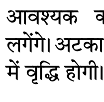
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

जनगणना कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करें : विश्राम मीणा

बीकानेर,(कासं)। जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए जिला एवं चार्ज अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन गुरूवार को संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा और जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में किया।

इस अवसर पर एडिशनल डायरेक्टर डॉ नरेन्द्र कुमार थोरी, सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक धर्मपाल खीचड़ भी उपस्थित थे। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने कहा कि जनगणना-2027 से संबंधित सभी अधिकारी जनगणना कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करें। इस बार जनगणना कार्य तकनीकी आधारित डिजिटल तरीके से की जा रही है।

जनगणना के प्रथम चरण के लिए जिला एवं चार्ज अधिकारियों के प्रशिक्षण का संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा एवं जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने उद्घाटन किया।

इसकी मॉनिटरिंग भी आधुनिक तरीके से की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनगणना के आधार पर ही देश में नीतियां बनाई जाती है और विकास के कार्य करवाए जाते हैं। लिहाजा जनगणना के आंकड़े पारदर्शी हों। मीणा ने बताया कि देश में मौर्य काल से ही जनगणना की जा रही है। आधुनिक काल में देश में 1872 में जनगणना शुरू हुई। वर्ष 2027 की जनगणना देश की 16 वीं जनगणना है। वहीं देश आजाद होने के बाद की यह 9 वीं जनगणना है। इससे पहले वर्ष 2011 में देश में जनगणना की गई। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने सभी अधिकारियों को जनगणना की ट्रेनिंग अच्छे से लेने और कार्य को समय पर पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया।

सांख्यिकी विभाग के संयुक्त निदेशक धर्मपाल खीचड़ ने बताया कि निदेशक एवं मुख्य प्रमुख जनगणना अधिकारी, जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए जिला एवं चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण 19 से 20 फरवरी दो दिन एवं नियमित सहायकों का प्रशिक्षण 19 से 21 फरवरी तक तीन दिन तक हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान में आयोजित किया जा रहा है। खीचड़ ने बताया कि सहायक निदेशक कल्पेश गुप्ता एवं सांख्यिकी अन्वेषक ग्रेड सेकण्ड अशोक गोदारा जनगणना कार्य निदेशालय जयपुर के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

- **जनगणना -2027 के प्रथम चरण के लिए जिला एवं चार्ज अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित**

खीचड ने बताया कि प्रथम दिवस प्रशिक्षण में जिला जनगणना अधिकारी, उप जिला जनगणना अधिकारी, नगर निगम के जनगणना अधिकारी, जिले के समस्त उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, अधिशाषी अधिकारी एवं नायब तहसीलदार तथा प्रत्येक चार्ज क्षेत्र से एक नियमित सहायक प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

शोभायात्रा में चैन चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

सूरतगढ़,(कासं)। सूरतगढ़ में 11 फरवरी को निकली भव्य श्री श्याम निशान शोभायात्रा के दौरान महिलाओं के गले से सोने की चैन काटकर चोरी करने की घटना का पुलिस ने देर शाम खुलासा कर दिया।

मामले में पुलिस ने 2 महिलाओं सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई तीनों सोने की चैन भी बरामद कर ली गई हैं। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। घटना के दिन महिला आरोपी पीले रंग की साडियां पहनकर शोभायात्रा में शामिल हो गई और भीड़ का फायदा उठाकर कटर से महिलाओं के गले से सोने की चैन काटकर फरार हो गई।

सीआई दिनेश सारण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पिन्टु देवी पत्नी संजय कुमार निवासी चितोकरी थाना सेवर जिला भरतपुर, सोनिया पत्नी खन्ना बांवरिया निवासी रूधईकरण थाना चिकसाणा जिला भरतपुर तथा कन्हैया पुत्र बबलू बांवरिया निवासी भुच्चोमंडी भटिंडा (पंजाब) हाल गोकुल नगर कच्ची बस्ती जिला भरतपुर के रूप में हुई है।

खारा गांव में पीओपी फैक्ट्रियों से फैल रहे वायु प्रदूषण पर रिपोर्ट मांगी

- **एनजीटी ने लिया संज्ञान। संयुक्त कमेटी बनाकर जांच के निर्देश देते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा है तथा छह सप्ताह में फैक्चुअल रिपोर्ट पेश करने के नोटिस जिला कलेक्टर और प्रदूषण नियंत्रण मंडल को जारी किए**

बीकानेर,(कासं)। रीको औद्योगिक क्षेत्र खारा में पीओपी की फैक्ट्रियों से फैल रहे वायु प्रदूषण के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने संज्ञान ले लिया है। संयुक्त कमेटी बनाकर जांच के निर्देश देते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा है तथा छह सप्ताह में फैक्चुअल रिपोर्ट पेश करने के नोटिस जिला कलेक्टर और प्रदूषण नियंत्रण मंडल को जारी किए गए हैं।

खारा गांव में वायु प्रदूषण को लेकर रामसिंह ने ज्ञापन के साथ एक दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर की कटिंग एनजीटी को मेल की थी। इस पर गंभीर होते हुए एनजीटी ने राज्य राजस्थान, जिला मजिस्ट्रेट बीकानेर, राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिला शिक्षा अधिकारी तथा पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव को प्रतिवादी बनाया है। उन्हें नोटिस जारी करते हुए छह सप्ताह में कार्यवाही करते हुए फैक्चुअल रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल 2026 को निर्धारित की गई है। न्यायमूर्ति शियो कुमार सिंह (न्यायिक सदस्य) और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी ने सुनवाई की।

एनजीटी की केन्द्रीय क्षेत्रीय पीठ, भोपाल ने ग्राम खारा (जिला बीकानेर) में बढ़ते वायु प्रदूषण के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। यह मामला गांव के निवासी राम सिंह खारा द्वारा भेजे गए ई-मेल के आधार पर दर्ज किया गया। जिसमें वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। प्रदूषण से परेशान होकर ग्रामीणों ने बच्चों को स्कूल नहीं भेजने का निर्णय लिया था।

खारा गांव रीको औद्योगिक क्षेत्र से सटा हुआ है। पास ही मिनरल जोन है, जहां पीओपी की 40 से अधिक फैक्ट्रियां हैं। सर्दियों में हवा गांव की तरह होने पर पीओपी की धुआं गर्द सहित गांव पर छा जाता है। पिछले साल नवम्बर में इस क्षेत्र का एक्यूआई 900 तक पहुंच गया था। वायु प्रदूषण के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे थे। प्रदूषण नियंत्रण मंडल का दल जयपुर से जांच के लिए आया। उसके बाद प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए फैक्ट्रियों पर उपकरण लगाये गए थे, लेकिन उसके बाद भी ठोस समाधान नहीं हो पाया। गांव के ही गजेसिंह का कहना है कि कुछ फैक्ट्रियां नियमों का उल्लंघन कर रही हैं, जिसकी वजह से काला धुआं और गर्द आये दिन गांव पर छा जाती है।

एनजीटी ने खारा में वायु प्रदूषण की जांच के लिए संयुक्त कमेटी गठित करने के निर्देश दिए हैं। इस कमेटी में जिला कलेक्टर के प्रतिनिधि और प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी शामिल होंगे। जांच के बाद फैक्चुअल रिपोर्ट छह सप्ताह में एनजीटी के समक्ष पेश करनी होगी। वहीं दूसरी तरफ करणी औद्योगिक क्षेत्र में भी पर्यावरण प्रदूषण को लेकर एनजीटी ने रिपोर्ट मांग रखी है।

चैन तोड़ने का आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। पुलिस ने एक चैन स्नेचिंग की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

यह वारदात 12 फरवरी, 2026 को थाना क्षेत्र के पंचारिया चौक के पास हुई थी। पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि 12 फरवरी को रीटा तिवाड़ी पंचारिया चौक, नोखा निवासी, पैदल जा रही थी। इसी दौरान दो नकाबपोश बाइक सवारों ने उनके गले से सोने की चैन झपटी और फरार हो गए।

रीटा तिवाड़ी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सागर (आईपीएस) के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने नोखा कस्बे में लगे करीब 50 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की गई और उनके ठिकानों पर दबिश दी गई। इस दौरान घटना को अंजाम देने वाले एक आरोपी महावीर प्रसाद सोनी उर्फ राजा उर्फ भवानीशंकर को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी महावीर प्रसाद सोनी उर्फ राजा उर्फ भवानीशंकर पुत्र अमरचंद, जाति सोनी, उम्र 18 साल, निवासी उगमपुरा, नोखा का रहने वाला है।

खनिज परिवहन निगरानी के नाम पर 300 करोड़ की मार

- **खान महकमे ने वे-ब्रिज संचालकों और वाहनों के लिए नया सिस्टम लगाने का फरमान जारी किया**

बीकानेर, (**कासं**)। खान महकमे ने खनिज परिवहन की निगरानी के नाम पर वे-ब्रिज संचालकों और वाहनों के लिए नया सिस्टम लगाने का फरमान जारी किया है। जिससे उन पर करीब 300 करोड़ रूपए की मार पड़ेगी। यह सिस्टम खान महकमे के बताए वेंडर्स से ही लगाना होगा, तभी वे रजिस्टर्ड किए जायेंगे।

प्रदेश में सभी वे-ब्रिज संचालकों को खनिज परिवहन की सटीक जानकारी के लिए नया सिस्टम रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन डिवाइस (आरएफआईडी) लगाना होगा। इनके अलावा रोजाना राजस्थान सहित, यूपी, गुजरात, एमपी, हरियाणा, पंजाब व अन्य राज्यों के हजारों वाहन खनिज ढोते हैं। जिन्हें आवश्यक रूप से एआईएस 140 मानक का व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) जीपीएस लगाना जरूरी कर दिया गया है।

दोनों ही सिस्टम खान महकमे के बताए वेंडर्स से ही लगाने होंगे। जिन पर करीब 5 लाख रूपए से ज्यादा खर्च करने पड़ेंगे। प्रदेश में 6503 वे-ब्रिज हैं। नया सिस्टम लगाने से इन पर 300 करोड़ रूपए से ज्यादा खर्च करने होंगे। इसके अलावा खनिज ढोने वाले प्रत्येक वाहन को वीएलटीडी जीपीएस लगाने में भी करीब 10 हजार रूपए का खर्चा करना पड़ेगा। उसे हर साल 2000 से 3000 रूपए खर्च कर रिचार्ज भी कराना होगा। खान महकमे ने 8 से 10 वेंडर्स की सूची जारी की है। इन्हीं से नया सिस्टम लगाना अनिवार्य किया है।

फरमान जारी कर कहा गया है कि फरवरी माह में ही नया सिस्टम लगा लिया जाए। क्योंकि खनिज परिवहन के लिए उन्हीं वाहनों का खान विभाग में पंजीकरण किया जायेगा। यहां खास बात यह है कि वर्ष 2017 से ही वे-ब्रिज खान विभाग के सर्वर पर ऑनलाइन हैं। सभी वे-ब्रिज पर नाइट विजन कैमरे, कम्प्यूटर लगे हैं और सॉफ्टवेयर अपडेट हैं। इससे सभी खनिज ढोने वाले वाहनों की फोटो और पूरा डेटा विभाग के पास मौजूद रहता है।

नापासर मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज की स्वीकृति

- **नापासर रेलवे फाटक पर बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को बजट में स्वीकृति मिली**

नापासर, (कासं)। नापासर-जसरासर सड़क मार्ग पर स्थित नापासर रेलवे फाटक पर बहुप्रतीक्षित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण को बजट में स्वीकृति मिल गई है। इस निर्णय से क्षेत्र के लोगों को वर्षों पुरानी जाम और आवागमन की समस्या से जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मोहन कस्वा ने बीकानेर पहुंचकर केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का आभार व्यक्त किया। कस्वा ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से इस महत्वपूर्ण मांग को लेकर केन्द्रीय मंत्री मेघवाल और केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को ज्ञापन भेजते रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट में स्वीकृति दिए जाने से जनता की यह लम्बे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है।

कस्वा ने कहा कि इस ओवरब्रिज के बनने से न केवल यातायात सुगम होगा बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। इसके अतिरिक्त, स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आयेगी। इस अवसर पर नापासर नगर पालिका के पूर्व पार्षद विमल लद्दड़ और पूर्व पार्षद रामचंद्र दैय्या सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। क्षेत्रवासियों ने भी सरकार के इस फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आभार जताया है।

जूनागढ़ के आगे चंग पर धमाल

बीकानेर, (कासं)। जूनागढ़ के सामने खंजर क्लब की ओर से शाम कलाकारों के द्वारा चंग पर धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम आयोजक खंजर क्लब अध्यक्ष घनश्याम सोलंकी ने बताया कि हर साल की तरह इस बार जूनागढ़ किले के आगे खंजर क्लब चंग वादकों द्वारा रंग बिरंगे चंग पर धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अतिथि सुनील दत्त नागल, किसन जोशी, एन.डी. रंगा, कवि शिव दाधीच, राधा खत्री, सैय्यद अख्तर, दिलीप गुप्ता, मालचंद जोशी, भवानी सिंह एवं विदेशी पर्यटकों ने चंग की थाप एवं बांसुरी पर शानदार नृत्य किया। इस अवसर पर प्रमोद गहलोत, सतीश गहलोत, किसन लाल सोलंकी, आसुराम सोलंकी, सहदेव कुमावत, रंगा आदि चंग वादकों ने लय के साथ चंग बजाकर होली के गीत गाए।

पर्यटन को बढ़ावा, सूरसागर में लाइट एंड साउंड लेजर वॉटर शो

- **सूरसागर के सौन्दर्यकरण के साथ यहां शुरू होने वाले लाइट एंड साउंड वाटर शो और नाइट टूरिज्म पर करीब 16 करोड़ खर्च होंगे**

बीकानेर, (कासं)। जल्द ही विश्व पर्यटन नक्शे पर चमकता नजर आयेगा। इसकी शुरूआत सूरसागर के सौन्दर्यकरण के साथ यहां शुरू होने वाले लाइट एंड साउंड वाटर शो और नाइट टूरिज्म को डवलप करने के साथ होगी। दोनों कार्यों पर करीब 16 करोड़ रूपए खर्च होंगे।

सौन्दर्यकरण के साथ पर्यटकों की सुविधाओं का भी खयाल रखा जायेगा ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। सूरसागर पर करीब 6.50 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले कार्यों की डीपीआर बीडीए और नाइट टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए 9.50 करोड़ रूपए से होने वाले कार्यों की डीपीआर नगर निगम तैयार कर रहा है। संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ ने बताया कि इन कार्यों के लिए 16 करोड़ की डीपीआर बीडीए व नगर निगम तैयार कर रहा है, जिसे मंजूरी के लिए राज्य सरकार के पास भिजवाया जा जायेगा। बजट मिलते ही काम शुरू करवा दिया जायेगा। क्या फिर से पानी में बह जायेंगे 6.50 करोड़ रुपए। सूरसागर पर सौन्दर्यकरण के नाम को लेकर 15 साल में करीब 11 करोड़ रूपए खर्च हो चुके हैं। लेकिन हर बार नतीजा एक ही होता है।

हर साल जूनागढ़ के आसपास बारिश का पानी भरते ही सूरसागर की दीवार तोड़ दी जाती है। जिससे सारा गंदा पानी सूरसागर में भरता है और वो क्षतिग्रस्त हो जाता है। साथ ही गंदगी से भर जाता है। बाद में कोई सार संभाल नहीं होती है। करोड़ों रूपए बर्बाद हो जाते हैं। अभी तक जब भी सूरसागर पर सौन्दर्यकरण के कार्य पर बजट खर्च हुआ। पानी निकासी पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

अब बड़ा सवाल ये है कि क्या इस बार ऐसा संभव होगा कि साढ़े छह करोड़ रुपए का बजट बरसाती पानी में नहीं बहेगा। हालांकि इस बार अधिकारियों का दावा है कि बरसाती पानी की निकासी को लेकर भी प्लान तैयार किया जा रहा है ताकि सूरसागर को नुकसान न पहुंचे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्थाएं जांची

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने गुरूवार को जैसलमेर रोड स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अस्पताल के समस्त वार्डों एवं व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया तथा प्रभारी सहित अन्य चिकित्सकों की बैठक ली।

केन्द्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ईएसआई के तहत बीमित व्यक्तियों और उनके परिजनों को बेहतर और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए यह अस्पताल संचालित किया जा रहा है। प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इसके माध्यम से समयबद्ध और स्तरीय चिकित्सा सुविधा मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं हो। उन्होंने कहा कि यहां उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाए तथा प्रत्येक श्रमिक तक इसकी

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अस्पताल का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाएं जांची।

जानकारी पहुंचे, इसके मद्देनजर इसका प्रचार-प्रसार किया जाए। मेघवाल ने अस्पताल की दैनिक ओपीडी पर असंतोष जताया और कहा कि चिकित्सा प्रभारी द्वारा जिले के प्रमुख औद्योगिक संगठनों तथा संस्थानों से समन्वय करते हुए विशेष शिविर लगाए जाएं। जिससे बीमित व्यक्तियों को इस सुविधा की जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि यहां मशीनरी और मैन पावर नियोजन संबंधी कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। लेकिन केन्द्र सरकार की मंशा के अनुसार प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इसका लाभ मिले, यह सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि यह केन्द्र शहर के प्रमुख स्थान पर है तथा यहां लाभांवित होने वाले मरीजों की संख्या की नियमित समीक्षा उच्च स्तर पर की जाती है। इसके मद्देनजर यह सुनिश्चित किया जाए कि बीकानेर का यह संस्थान आगे रहे।

मेघवाल ने कहा कि ईएसआई के इस तीस बैडेड अस्पताल की साख किसी स्थिति में प्रभावित नहीं हो। इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी, सुविधाओं सहित आवश्ययकताओं की नियमित समीक्षा करें। इससे अवगत करवाएं। उन्होंने प्रमुख आवश्यकताओं के संबंध में नोट तैयार कर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए।

बारिश से ठंड बढ़ी, कोहरा छाया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में हुई बारिश के बाद मौसम साफ है। हालांकि सुबह 8:30 बजे तक ग्रामीण इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। इसके कारण सड़कों पर विजिबिलिटी भी कम रही। बारिश के बाद ठंडक बढ़ गई है। जिले में आज से अगले कई दिनों तक मौसम ड्राई बना रहेगा।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर गुरुवार सुबह न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री और अधिकतम तापमान 28 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं मंगलवार को यहां न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार जिले में तापमान में बढ़ोतरी होगी और गर्मी बढ़ेगी। फिलहाल जिले में बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। राजस्थान में कमजोर वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है, जिससे कई इलाकों में बारिश की संभावना है।

सार-समाचार

पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना

पर्यावरण संघर्ष समिति का कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना 215 वें दिन भी जारी रहा।

बीकानेर, (कासं)। पर्यावरण संघर्ष समिति का बीकानेर में 215 वें दिन भी धरना जारी रहा तथा खेजड़ला रोही नोखा दईया के धरने को आज 570 वां दिन है। बीकानेर धरने पर बैठे प्रकृति मानव केन्द्रीत जन आन्दोलन के जिला अध्यक्ष इंजीनियर अरूण कुमार वैध ने कहा कि प्रकृति में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है। इसे केवल खेजड़ी व अन्य वनस्पति ही अवशोषित करती है। अगर पेड़-पौधों का इसी तरह विनाश होता गया तो वन्यजीवों सहित समस्त मानव जाति खतरे की जद में आ जायेगी। वैध ने कहा कि इन खतरों से निपटने के लिए आम आदमी में समझ विकसित करनी होगी तथा वनस्पति का महत्व समझाना होगा। धरने पर आये पर्यावरणीय वैज्ञानिक सागर धारा ने कहा कि वर्तमान समय में पूरे विश्व में जलवायु परिवर्तन का भयंकर संकट है। इस संकट से उभरने के लिए जन आन्दोलन की जरूरत है। इस दौरान शान्ति लाल सेठिया, शिवदान मेघवाल, हरिराम खीचड़, रामप्रताप वर्मा, सज्जन कुमार, गिरधारी कूकणा, लाधुराम गोदारा, रामदेव मेघवाल, ताहिर खान, हनुमान काकड़, मूलचन्द खत्री, जयप्रकश बागड़वा, गोपीचन्द धायल, ओमप्रकाश खीचड़ कुचोर, पूनमराम रिख, हेतराम बिश्नोई, कृष्ण कुमार बिश्नोई, श्रवण कासनिया, शरीफ समेजा, काशीराम मेघवाल, केदारनाथ खत्री, जैसाराम मेघवाल, महेन्द्र भादू, सुगनाराम जाट, ओमप्रकाश बिश्नोई, नरेन्द्र सिंह राजावत, विनोद शर्मा, श्रीराम मण्डा, पार्षद अब्दुल वहीद, इजहार अली, सरजू गहलोत, रामदयाल बिश्नोई, कपिल गौड़ व रक्षपाल बिश्नोई आदि मौजूद थे।

हस्तशिल्प उत्पाद एम्पोरियम

हस्त शिल्प उत्पादों के एम्पोरियम 'कला कुंज' का जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने उद्घाटन किया।

बीकानेर, (कासं)। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कर्यक्रम के तहत तैयार बीकानेर जिले के पहले हस्तशिल्प एम्पोरियम 'कला कुंज' का उद्घाटन जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने गुरूवार को किया। हरोलाई हनुमन मंदिर रोड पर बने इस केन्द्र में उस्ता कला, बीकानेरी कशीदाकारी, पोकरण पॉटरी, जोधपुर मैटल क्राफ्ट, मथेरण कला, टाई एंड डाई, आर्टिफिशयल ज्वैलरी, पेंटिंग, साफा-पगड़ी सहित एक दर्जन से अधिक प्रकार की हस्त कलाओं के उत्पाद प्रदर्शन एवं विक्रय के लिए उपलब्ध करवाए गए हैं। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि राजस्थान का हैण्डीक्राफ्ट अत्यंत समृद्ध है। यहां के कलाकार अपने स्तर पर उत्पादों का निर्माण एवं विक्रय करते हैं। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल की अवधारणा को सार्थक करते हुए 'कला कुंज' इन कलाकारों को एक सशक्त मंच उपलब्ध करवायेगा। हस्तशिल्प सेवा केन्द्र जोधपुर से सहायक निदेशक रविवीर चौधरी ने बताया कि विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कर्यक्रम की इंफ्रास्ट्रक्चर योजना के तहत यह एम्पोरियम बनाया गया है। इसका उद्देश्य आर्टिजन्स, एसएचजी व प्रोड्यूशर कंपनी को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाना है। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक रमेश तांबिया ने कहा कि सामान्यतया आर्टिजन्स द्वारा बने उत्पादों को बाजार नहीं मिलता। ऐसे आर्टिजन्स के लिए यह पहल कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा देशभर में ऐसे केन्द्र खोले जा रहे हैं। बीकानेर में भी इसकी शुरूआत हुई है। उस्ता आर्ट विशेषज्ञ मोहम्मद हनीफ उस्ता ने कहा कि इस एम्पोरियम के माध्यम से उस्ता आर्ट की पहुंच आमजन तक हो सकेगी।

रेंज में 1161 पुलिसकर्मी पदोन्नत

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर रेंज में करीब 6 माह में ही 1161 पुलिसकर्मियों को विभागीय पदोन्नति से पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा 285 कांस्टेबल की पदोन्नति प्रक्रिया में है। बीकानेर रेंज में लम्बे समय से विभागीय पदोन्नति परीक्षाएं अटकी पड़ी थी। पिछले छह माह में रेंज आईजी हेमंत शर्मा ने इसे प्राथमिकता से लिया और लगातार परीक्षाओं का आयोजन कर 1161 योग्य पुलिसकर्मियों को पदोन्नत किया गया। इसके अलावा वर्ष, 22-23 में कांस्टेबल से हैड कांस्टेबल पद के करीब 285 पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया में है। लगातार पदोन्नति होने से पुलिसकर्मियों का मनोबल और अनुसंधान अधिकारी बढ़े हैं। बीकानेर रेंज में वर्ष 21-22 के खाली पदों पर 35 और 22-23 के पदों पर 16 एएसआई को पदोन्नत कर एसआई बनाया गया। बीकानेर जिले में वर्ष 21-22 में 100 और 22-23 में 104 एएसआई बनें। वर्ष 21-22 में 109 हैड कांस्टेबल बनें। श्रीगंगानगर में वर्ष 21-22 में 125 और 22-23 में 40 एएसआई बनें। वर्ष 21-22 में 140 हैड कांस्टेबल बनें। हनुमानगढ़ में वर्ष 21-22 में 100 और 22-23 में 32 एएसआई तथा 21-22 में 119 हैड कांस्टेबल बनें। चूरू में वर्ष, 21-22 में 86 और 22-23 में 46 एएसआई व 21-22 में 109 हैड कांस्टेबल बनें।

महिला दिवस पर कई खेल होंगे

बीकानेर, (कासं)। लघु उद्योग भारती बीकानेर की ओर से महिला दिवस के अवसर पर 7 और 8 मार्च को खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं को खेलों से जोड़ने और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने का विशेष प्रयास किया जायेगा।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक : नियमन/2026/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 18-2-2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 49 के किला नं. 21 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0''गुणा 50'-0''फीट के नियमन/पट्टा हेतु आवेदक श्रीमती कुसुम देवी पत्नी श्री पिंकू निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती कुसुम देवी पत्नी श्री पिंकू निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 49 के किला नं. 21 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0''गुणा 50'-0''फीट का नियमन/पट्टा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/ पट्टा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

RajKaj Ref No.: 20443113 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2026/ **सार्वजनिक आपति सूचना** दिनांक : 18.02.2026

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 70 के किला नं. 24 में भूखण्ड संख्या 36 का माप 40'-0'' गुणा 65'-0'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती रिया भठेजा पत्नी शुभम बजाज निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती रिया भठेजा पत्नी शुभम बजाज निवासी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 1 ए छोटी मुरब्बा नं. 70 के किला नं. 24 में भूखण्ड संख्या 36 का माप 40'-0'' गुणा 65'-0'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

RajKaj Ref. No. 20507446 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

गला घोटकर गर्भवती महिला सहित दो साल के बच्चे की हत्या, शव को तालाब में डाला

परिजनों के अनुसार महिला एवं उसका दो वर्षीय पुत्र 11 फरवरी को घर से गायब हो गए थे

भीम में हादसे के बाद पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से पूछताछ की।

मृतक महिला व बच्चे का फाइल फोटो।

भीम, (निसं)। पुलिस थाना अंतर्गत कुशालपुरा के चाकहीरात निवासी एक गर्भवती महिला एवं उसके दो साल के मासूम बच्चे की हत्या कर शव को तालाब में डालने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को भीम तालाब से निकाला और बच्चे का शव जंगल में मिला।

मृतका के परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रियंका देवी पत्नी हरि सिंह एवं उसका 2 वर्षीय पुत्र आर्यन 11 फरवरी को अचानक घर से गायब हो गए थे। परिवार ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 12 फरवरी को परिजनों ने भीम थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और मोबाइल कॉल डिटेल खंगालना शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस को टॉडगढ़ निवासी गोविंदसिंह पुत्र शंकर सिंह एवं उसका साथी राहुलसिंह पुत्र महेंद्रसिंह नाम के युवकों पर शक हुआ। गुरुवार सुबह गोविंद सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बताया कि महिला का शव भीम के तालाब में है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मृतका के पति प्रार्थी हरिसिह पिता हीरा सिंह रावत निवासी गांव चॉकहीरात कुशलपुरा पुलिस थाना भीम जिला राजसमन्द दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 11 फरवरी की रात 11 बजे मेरी पत्नी प्रियंका देवी (21) जो 8 माह की गर्भवती थी, जो मेरे पुत्र आर्यन को साथ मे लेकर घर पर बिना बताये कहीं चली गई। जिस पर मैने 12 फरवरी को गुम होने की पुलिस थाना भीम पर रिपोर्ट दर्ज करवायी थी। दूसरे दिन मैने व मेरे परिवार वालों ने घर पर देखा तो मेरी पत्नी प्रियंका देवी, मेरी मां प्यारी देवी व जेठानी पुष्पा देवी के करीब आठ तोला सोने एवं 3 किलो चांदी के जेवर व 20 हजार रुपये घर पर नहीं मिले। हमने मेरी पत्नी प्रियंका व लड़के आर्यन की आसपास व रिश्तेदारी मे काफी तलाश की। गोविन्दसिंह पिता शंकर सिंह रावत निवासी कानोतो की वैर थाना टॉडगढ़ मेरी पत्नी प्रियंका से मोबाईल फोन पर बातचीत करता था।

- सोने-चांदी के जेवर सहित 20 हजार नकद हड़पकर बच्चे की लाश को दर्रा के जंगलों में ही फेंक दी तथा महिला की लाश को पत्थर बांधकर भीम तालाब में डाल दिया था
- मृतका के फोन कॉल डिटेल से हुई आरोपियों की पहचान, आरोपियों ने वरदात करना कबूल की

17 फरवरी को जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल खुमानसिंह ने गोविन्दसिंह से पूछताछ की तो गोविन्दसिंह ने बताया कि 11 फरवरी की रात को मैने प्रियंका देवी को वाट्सअप कॉल करके जेवरात लेकर घर से बुलाया। मैं व मेरा दोस्त राहुल सिंह पिता महेन्द्रसिंह रावत निवासी खुटा की बड़ी पुलिस थाना टॉडगढ़ दोनों प्रियंका व आर्यन को एक कार में बैठा कर दर्रा के जंगल में ले गये। मैने व मेरे दोस्त राहुलसिंह ने मिलकर प्रियंका व उसके लड़के आर्यन की दर्रा के जंगल में गला घोंट कर हत्या कर दी। आर्यन की लाश को दर्रा के जंगल में ही फेंक दी। प्रियंका की लाश को भीम तालाब में डाल दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार सुबह राजसमंद जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक पहुंचे। पुलिस उप अधीक्षक राकेश वर्मा, भीम थाना अधिकारी सीआई सवाई सिंह राठौर, दिवेर थाना अधिकारी दौलत सिंह चौहान, भीम तहसीलदार मनोज कुमार गांग सहित भारी पुलिस बल भीम तालाब की पाल पर घटनास्थल का मौका निरीक्षण कर परिजनों को सांत्वना दी एवं आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

पुलिस और एनडीआरएफ की टीम और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची तथा एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने करीब एक घंटे तक चले अभियान के बाद तालाब से प्रियंका का शव बाहर निकाला। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। पूछताछ में आरोपी ने यह भी बताया कि बच्चे का शव दर्रा गांव के पास जंगल में फेंका गया है। इसके बाद पुलिस, एसडीआरएफ टीम और ग्रामीणों की मदद से जंगल क्षेत्र में सघन सर्च अभियान चलाया। जहां दोपहर तक मासूम बच्चे आर्यन के शव को ढूंढने में सफलता मिली।

भीम सीआई सवाई सिंह राठौड़ ने बताया कि मृतका एवं बच्चे के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द किया। हत्या के मामले में मृतक प्रियंका देवी एवं उसके बच्चे आर्यन का शव भीम पुलिस ने उप जिला चिकित्सालय भीम के मोर्चरी में रखवाया तथा मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरु किया है।

टोंक : पीडी एग्रो इंडस्ट्रीज पर आयकर की रेड

टोंक/निवाई, (निसं)। वनस्थली मोड़ स्थित औद्योगिक क्षेत्र में पीडी एग्रो इंडस्ट्रीज पर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा है।

कार्रवाई दोपहर करीब एक बजे शुरू हुई, जिसके बाद से इंडस्ट्रीज परिसर के बाहर दिल्ली, जयपुर व अजमेर नंबर की कई गाड़ियां खड़ी है एवं आरएसी के जवान तैनात है। विभाग के उच्चाधिकारी इंडस्ट्री के दस्तावेजों की जांच में जुटे रहे। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई जयपुर के कान्हा रेस्टोरेंट पर हाल ही में पड़ी रेड से जुड़े मामले का हिस्सा बताई जा रही है। चर्चा है कि संबंधित फर्म से दाल व बेसन की वहां सप्लाई होती थी। जिसकी वित्तीय लेन-देन को लेकर जांच की जा रही है। हालांकि आयकर विभाग के अधिकारी मीडिया से दूरी बनाए हुए हैं और अधिकारिक रूप से किसी भी तरह की जानकारी साझा नहीं की गई है। कार्रवाई देर शाम तक जारी रहने की सूचना है। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को लेकर औद्योगिक क्षेत्र में हलचल बनी हुई है। विभागीय टीम द्वारा खातों, बिलों एवं अन्य वित्तीय दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है।

चोरी के मामले में फरार अपराधी को पकड़ा

आरोपी पांच साल से फरार था

जोधपुर, (कासं)। ग्रामीण पुलिस की विशेष टीम ने चोरी के मामले में पांच साल से फरार चल रहे पांच हजार रुपए के एक इनामी अपराधी को पकड़ा है। उसके विरूद्ध पूर्व में लूट व चोरी के आठ प्रकरण दर्ज हैं और गिरफ्तारी के डर से लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसे डीएसटी जोधपुर ग्रामीण ने बोरानाडा क्षेत्र से दस्तयाब किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला विशेष टीम द्वारा स्थाई वारंटी व पांच हजार रुपए के इनामी अपराधी रावर, पुलिस थाना कापरड़ा निवासी सुरेन्द्रसिंह पुत्र मदन सिंह को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की है। उसके खिलाफ पीपाड़ शहर थाना में चोरी का मामला दर्ज था। जिला विशेष टीम के कांस्टेबल पप्पूराम की सूचना पर डीएसटी प्रभारी श्रवणकुमार भवंरिया मय टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जोधपुर शहर के बोरानाडा एरिया में दबिश देकर उसे दस्तयाब किया तथा अग्रिम अनुसंधान के लिए पुलिस थाना पीपाड़ शहर को सुपुर्द किया गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड़ कोटा
क्रमांकः- अअ/जिग्रा/अंके/2025-2026/2230-2248 दिनांक : 10.02.2026
Phone No. 0744-2500598 Email eephed ddrkota@ymail.com
Notice Inviting Bid
Bid for NIT No. 77/2025-2026 to 81/2025-2026 are Invited from interested bidders upto 6.00 PM on 23.02.2026. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal sppp.rajasthan.gov.in of the State & www.rajwater.gov.in Departmental Website. Tenders are to be submitted online on website http://eproc.rajasthan.gov.in.
NIB No:- PHE2526A6424
UBN:- (PHE2526WSOB13822) UBN:- (PHE2425WSOB13823)
UBN :- (PHE2425WSOB13824) UBN:- (PHE2425WSOB13825)
UBN:- (PHE2425WSOB13826)
(हरिओम सैनी) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग जिला ग्रामीण खण्ड कोटा
DIPR/C/3504/2026

भिवाड़ी हादसा : मृतकों के परिवारों को बैंक खाते में सहायता राशि भेजी

भिवाड़ी/खैरथल, (निसं)। भिवाड़ी के खुशखेडा-करौली औद्योगिक क्षेत्र में संचालित अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में सात मजदूरों की जिंदा जलकर हुई मौत की दुखद घटना के बाद सरकार और जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता व त्वरित कार्रवाई का उदाहरण पेश किया है।

इस दुखद घटना में दो युवक नाबालिग है, जिसमें मिंटू कुमार 14 वर्ष व अमरेश की उम्र 17 वर्ष बताई गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन ने 48 घंटे के भीतर मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में जमा कराई है। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित की।

राज्य सरकार से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरांत प्रशासन ने आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूर्ण किया। जिससे आर्थिक सहायता राशि शीघ्र ही परिजनों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा सकी। उक्त घटना में मृत सात व्यक्तियों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से तीन-तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस प्रकार कुल 21 लाख रुपये की सहायता राशि सीधे संबंधित परिजनों के बैंक खातों में जमा कराई गई। इसमें मृतक मिंटू की माता देवंती, सुजनत कुमार के पिता शिवजी पसवान, श्याम कुमार की माता नीतू देवी, अभिषेक की पत्नी मीना कुमारी, अमरेश की माता सेमा देवी, रवि कुमार की माता रीता देवी, मंटू कुमार की माता पिंटा देवी के बैंक खाते में सहायता राशि स्थानांतरण की गई है। इस दुखद घटना में दो युवक नाबालिक रहे है। इस के साथ ही सरकार ने इस भीषण हादसे में घायल हुए श्रमिकों के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

छेड़छाड़ के आरोपी को पांच साल का कारावास

भीलवाड़ा, (निसं)। मासूमों के साथ होने वाले अपराधों पर सख्त रुख अपनाते हुए भीलवाड़ा की पॉक्सो कोर्ट संख्या-01 ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने नाबालिग बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले आरोपी सत्यनारायण उर्फ सत्तु को दोषी करार देते हुए पांच साल के कठोर कारावास और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

यह मामला 25 जुलाई 2025 का है, जब प्रार्थिया ने एक थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी सत्यनारायण नशे की हालत में भोर के समय प्रार्थिया के घर में घुस गया था। जब प्रार्थिया और उसकी नाबालिग पुत्री सो रहे थे, तब आरोपी ने कमरे में घुसकर बच्ची के अश्लील हरकतें की। नाबालिग और उसकी माँ के चिल्लाने पर परिवार के सदस्य और मोहल्ले के लोग तुरंत सहायता के लिए पहुंचे। भीड़ ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट के तहत कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने पैरवी की।

राज्यपाल आज भीलवाड़ा दौरे पर

भीलवाड़ा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शुक्रवार, 20 फरवरी को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार वे प्रातः 08:20 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा भीलवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे तथा प्रातः 10:15 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड, भीलवाड़ा पहुंचेंगे। राज्यपाल बागड़े सड़क मार्ग से संगम विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान कर 10:35 बजे वहां पहुंचेंगे। तत्पश्चात 11 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक वे संगम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे। दोपहर 1:30 बजे राज्यपाल हरि सेवा धर्मशाला के लिए प्रस्थान करेंगे तथा 1:45 बजे वहां पहुंचेंगे। वे दोपहर 1:45 बजे से 2:10 बजे तक आयोजित 'सनातन मंगल महोत्सव' कार्यक्रम में भाग लेंगे।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website:http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl
कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड, कोटा- 324001
दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066 ईमेलः- zcekz@jvvnl.org
ई-निविदा सूचना
जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई-निविदा (तकनीकी-वाणिज्यिक) एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते हैः- कोटा वृत में उपखण्ड सहायक अभियन्ता (पवस) जेपीडी, सांगोद के अन्तर्गत 33/11 केवी छत्रपुरा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-48/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00995), उपखण्ड सहायक अभियन्ता (एचटीएम-डीडी) जेपीडी, कोटा के अन्तर्गत 33/11 केवी पदमपुरा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन-49/2025-26) (UBN:VVN2526WSOB00996), झालावाड़ वृत्त के अधिकार क्षेत्र में टीएन-50/2025-26 के अंतर्गत सहायक अभियंता (एचटीएम- I) जेपीडी, झालावाड़ के अधीन 132 केवी जीएसएस रायपुर से कई 33/11 केवी सब स्टेशनों के 33 केवी इंटरकनेक्श करने हेतु। (UBN:VVN2526WSOB00997) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 20.02.2026 से डाउनलोड कर सकते है। टीएन-48से टीएन-50 के लिए निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 04.03.2026 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
जेपीआर-3125 (2026)
राज.संवाद/सी/25/20833
संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

पंचों ने एक परिवार को समाज से बहिष्कृत किया

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया के खुडियाला गांव में एक परिवार को समाज के पंचों ने पंचायती कर बहिष्कृत कर हुक्का-पानी बंद कर दिया। अर्थदंड के तौर पर डेढ़ लाख फिर 2100 रूपए वसूल लिए गए। इसके बावजूद भी समाज में शामिल नहीं किया गया और मनमाने ढंग से खर्चा करवा रहे हैं। पीड़ित परिवार के एक सदस्य की तरफ से नामजद कुछ पंचों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

मथानिया पुलिस ने बताया कि जोधपुर पुलिस आयुक्तालय के सामने रेलवे नेहरू कॉलोनी में रहने वाले मूलाराम मेघवाल की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि खुडियाला गांव में बहन- बहनोई रहते हैं। समाज के कुछ पंचों ने गत साल दिसम्बर में उनका हुक्का पानी बंद कर बहिष्कृत कर दिया। परिवार से डेढ़ लाख रूपए लिए, फिर 21 सौ रूपए ले लिए गए। समाज के कुछ पंचों को नामजद किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार समाज के एक लड़की द्वारा वर्ष 2022 में सुसाइड किया गया था। जिसके बाद से पंचों द्वारा परिवार पर दबाव बनाया और बहिष्कृत कर दिया गया।

मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा लेक्चरर (आयुष विभाग) परीक्षा-2025 के अंतर्गत 8 विषयों की मॉडल उतरकुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षा का आयोजन 12 जनवरी 2026 को किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उतरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 21 से 23 फरवरी को रात्रि 12 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाईन दर्ज करवा सकता है।

पांच साल से एक ही जगह पर कार्यरत कर्मचारी हटेंगे!

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा निदेशालय में इस वक्त खलबली मची हुई है, क्योंकि साल भर पहले निदेशालय की मीटिंग में मंत्री जो कह कर गए थे उसकी पालना नहीं हुई। ऊपर से उनके आदेश के विरुद्ध जाकर निदेशालय और सचिवालय से निर्णय हो रहे है। इसलिए मंत्री खफा हैं और उन्होंने निदेशालय में पांच साल से ज्यादा जमे लोगों के नाम मांगे हैं। मंगलवार से ही लिस्ट बनानी शुरू हो गई। माना जा रहा है कि जल्दी ही निदेशालय में बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा। इसके साथ ही कुछ वित्तीय सलाहकारों पर भी तलवार लटक सकती है।

शिक्षा विभाग में हितकारी निधि में जरूरत से ज्यादा कार्मिक लगे हुए हैं। मंत्री ने 2024 में ही हितकारी निधि में लगे 3 कार्मिकों को हटाने के लिए कहा था मगर मंत्री के आदेश निदेशालय में कैसे दरकिनार किए जाते हैं वो इस वक्त के हालात से पता लग रहा है। इसके साथ ही मंत्री ने पिछले साल निदेशालय में मीटिंग ली थी। उसमें पांच साल से जमे कार्मिकों को हटाने के निर्देश दिए थे।

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड 328001 Email ID:-dcfwl.ncs.forest@rajasthan.gov.in
क्रमांकः एफ ()/ उवसं/वजीधौ./राचघअ./2025-26/478 Notice Inviting Tender दिनांकः- 12/2/26
Tenders are invited from eligible contractor/firm/for Dual desk purchasing

क्र. स.	सूचना संख्या मय दिनांक	कार्य का नाम	Start Date	निविदा (बोली) डाउनलोड़ एवं अपलोड़ करने की अन्तिम समय एवं दिनांक	GEM No.	अनुमानित लागत रूपये में	निविदा संख्या
1	Rajkaj Ref No.: 20500369 Date 12.02.2026	राजकीय विद्यालयों में बच्चों के बैठने हेतु Supply and installation of modular plastic Class Room Table (Dual Desk) with Attached Chair क्रय हेतु	12.02.2026	10.00 AM 23.02.2026	GEM/2026/ 8/7232246	24,00,000	84/ 2025-26

Tender Can be seen and downloaded at the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in & http://gem.gov.in of the state.
(डा. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य धौलपुर
DIPR/C/3451/2026

बीकानेर में आयकर विभाग ने 140 बीघा जमीन जब्त की

- नाम बदलकर खरीदी कृषि भूमि, फर्म-कंपनी बनाकर कॉलोनी काटने वाले थे

बीकानेर, (निसं)। कृषि भूमि को पहले कथित तौर पर अलग-अलग नामों से खरीदना, फिर उन्हें पार्टनरशिप फर्मों में ट्रांसफर करना, उसके बाद कंपनी संरचना बनाकर आवासीय कॉलोनी विकसित करने की तैयारी। यह पूरा खेल परत-दर-परत रचा गया। आयकर विभाग की बेनामी निषेध इकाई ने इस कथित नेटवर्क की कड़ियां जोड़ते हुए अब तक करीब 140 बीघा जमीन को अंतरिम तौर पर जब्त कर लिया है। जब्त संपत्तियों की डीएलसी दर लगभग 75 करोड़ रुपए आंकी गई है, जबकि बाजार मूल्य 200 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। संबंधित संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जांच में डेयरी व्यवसाय से जुड़े अशोक कुमार मोदी और उनके सहयोगियों के नाम सामने आए हैं।

आरोप है कि वर्षों पहले कृषि जमीनें बेनामी नामों से खरीदी गईं। बाद में उन्हीं नामों को आधार बनाकर पार्टनरशिप फर्में गठित की गई और भूमि का स्वामित्व फर्मों में स्थानांतरित किया गया। अगला चरण कंपनी गठन का था, जिसके जरिए रेजीडेंशियल कॉलोनी विकसित करने की तैयारी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि इस पूरी संरचना के जरिए वास्तविक लाभार्थियों की पहचान छिपाने की कोशिश की गई। उदासर स्थित 23.5 बीघा भूमि, जिसकी डीएलसी कीमत करीब 50 करोड़ रुपए और बाजार मूल्य 100 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है, को अंतरिम जब्ती में लिया गया है। इसके अलावा शिवबाड़ी क्षेत्र में आवासन मंडल को समर्पित 115 बीघा भूमि को भी बेनामी मानते हुए कार्रवाई की गई है। इस परियोजना में विकसित हिस्से का 25 प्रतिशत भाग संबंधित पक्षों को मिलने की शर्त सामने आई है। इस भूमि का बाजार मूल्य भी 100 करोड़ रुपए से अधिक आंका जा रहा है। कुछ जमीनें एससी-एसटी श्रेणी के नामों से खरीदी गई, जिससे वैधानिक जटिलताओं से बचते हुए नियंत्रण बनाए रखा जा सके। बाद में इन्हीं नामों से बनी फर्मों के जरिए कई संपत्ति लेनदेन किए गए। जांच एजेंसी अब बैंकिंग ट्रेल, फर्म रजिस्ट्रेशन दस्तावेज, शेयर होल्डिंग पैटर्न और स्वामित्व हस्तांतरण की श्रृंखला की गहन पड़ताल कर रही है। इस नेटवर्क की निगरानी लंबे समय से की जा रही थी। प्रारंभिक सूचना के बाद वित्तीय लेनदेन और भूमि अभिलेखों का मिलान किया गया, जिसके बाद अंतरिम जब्ती की कार्रवाई की गई। हालांकि आयकर विभाग के अधिकारियों ने आधिकारिक टिप्पणी से इनकार किया है, लेकिन दस्तावेजों की पड़ताल तेज कर दी गई है।

जांच में सामने आया कि जमीन सीधे अंतिम लाभार्थी के नाम पर नहीं थी। पहली परत में व्यक्तिगत खरीदार, दूसरी परत में पार्टनरशिप फर्म और तीसरी परत में कंपनी संरचना बनाई गई। इससे संपत्ति का वास्तविक नियंत्रण छिपा रहा, जबकि कागजों में स्वामित्व अलग-अलग संस्थाओं के पास दिखाई देता रहा। कुछ भूखंडों का हिस्सा सरकारी अधिग्रहण योजनाओं के लिए समर्पित कर परियोजना को वैधता का आवरण देने की रणनीति भी अपनाई गई। जांच एजेंसी अब यह देख रही है कि फर्मों के बीच हुए लेनदेन का वास्तविक वित्तीय स्रोत क्या था और लाभ का प्रवाह किन खातों तक पहुंचा। यदि दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड में विसंगति सिद्ध होती है, तो अंतिम कुर्की और दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। फिलहाल बीकानेर में हुई यह कार्रवाई बड़े बेनामी नेटवर्क की ओर संकेत कर रही है।

774 किलो डोडा-पोस्त जब्त, पांच तस्कर गिरफ्तार

डंपर और कार जब्त, नीमच से लाया गया था मादक पदार्थ

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राजेश मीणा के निर्देश पर स्पेशल टीम और पिंडवाड़ा पुलिस ने 774 किलो अवैध डोडा-पोस्त जब्त कर पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है।

रेंज स्पेशल टीम प्रभारी उप निरीक्षक देवाराम और पिंडवाड़ा थानाधिकारी महेंद्र सीरवी की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने एक डंपर से अलग-अलग बोरियों में भरा 774 किलो डोडा- पोस्त बरामद किया। डोडा-पोस्त को डंपर में छिपाकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने डंपर की एस्कॉर्टिंग कर रही एक स्विफ्ट कार को भी जब्त किया है। इसके साथ ही तस्कर दीपाराम, प्रकाश और मनोहर सहित पांच लोगों को पकड़ा है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि डंपर में विशेष रूप से खाना बनाकर डोडा-पोस्त छिपाया गया था। इसे नीमच से जालौर जिले के सांचौर ले जाया जा रहा था।

दो लाख की स्मैक के साथ आरोपी को पकड़ा

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने सदर थाना क्षैत्र अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आठ ग्राम स्मैक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में दो लाख रुपये की स्मैक व 12400 रुपये और मोबाइल बरामद किये हैं।

डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि टीम द्वारा थाना क्षेत्र सदर टोंक में नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ के साथ आरोपी भीम सिंह पुत्र कामदार साँसी निवासी पोल्याडा थाना दुनी हाल गणेशजी मंदिर के सामने सोरण रोड को गिरफ्तार किया जाकर उसके कब्जे से करीब 8 ग्राम स्मैक व खरीद-फरोख्त की नकद राशि एवं एक मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पीएचईडी कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया के जी कॉम्पलेक्स के पास रानीबाजार, बीकानेर (331001)
क्रमांक-7626-39 Notice Inviting Bid : 211 to 220/2025-26 दिनांक-13.02.2026
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 26-02-2026 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 272.00 lacs.

NIT No.	211	212	213	214	215
UBN No.	PHE2526 WSOB14187	PHE2526 WSOB14188	PHE2526 WSOB14189	PHE2526 WSOB14190	PHE2526 WSOB14191
NIT No.	216	217	218	219	220
UBN No.	PHE2526 WSOB14192	PHE2526 WSOB14193	PHE2526 WSOB14194	PHE2526 WSOB14195	PHE2526 WSOB14196

(नरेश कुमार रैगर) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड-11, बीकानेर
DIPR/C/3227/2026

राजस्थान सरकार
उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग करौली
क्रमांकः लेखा/निविदा/2026/206 दिनांकः- 13-02-2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26
श्रीमान निदेशक महोदय जनगणना कार्य निदेशालय राजस्थान जयपुर के भारत की जनगणना 2027-के कार्य सम्पादन हेतु जिला एवं चार्ज स्तर पर हार्डवेयर क्रय करने के लिए ई-निविदा आमन्त्रण दिनांक को सांय 05 बजे तक मय बिड सिक्यूरिटी राशि के दो लिफाफा पद्धती के आधार पर e-Proc Portal पर ऑनलाईन निम्नानुसार किया जाता है। ऑनलाईन प्राप्त तकनीकी निविदाएँ दिनांक 23.02.2026 को प्रातः 02.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	बोली प्रपत्र शुल्क (रू.में)	ई-निविदा शुल्क प्रोसेसिंग (रू.में)	बोली प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन बोली: निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की दिनांक व समय	ऑनलाईन बोली: निविदा प्रपत्र अपलोड करने की दिनांक व समय	ऑनलाईन बोली: ऑनलाईन खोलने की दिनांक व समय
1	जिला स्तर चार्ज स्तर (समस्त तहसील / नगरपरिषद/नगर पालिका ओं) में हार्डवेयर क्रय करने हेतु	21.00/-	1000/-	500/-	42000/-	15.02.2026 11.00 AM से	23.02.2026 10.00 AM तक	23.02.2026 2.00 PM

निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता में निहित होगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त शर्तें व जानकारी राजस्थान लोक उपापन की वेबसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
नोट :- मूल डी.डी/बैंकर चैक दिनांक 23/02/2026 समय प्रातः 11:00 बजे तक कार्यालय में जमा करवानी होगी अन्यथा निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
NIB NO ESD2526A0059
UBN NO ESD2526GLOB00057
उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, करौली
DIPR/C/3528/2026

कान्हा समूह के 33 ठिकानों पर इनकम टैक्स की दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी

आमेर के होटल ताज व कुंदन वन भी आयकर जांच के दायरे में

जयपुर। राजस्थान की प्रसिद्ध फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट समूह पर आयकर विभाग (इनकम टैक्स) की छापेमारी गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। यह कार्रवाई बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक साथ 33 ठिकानों पर शुरू की गई थी।

आयकर सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में करीब 50 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। साथ ही 8 बैंक लॉकर भी चिन्हित किए गए हैं। जिन्हें खुलवाकर उनमें रखी संपत्ति और दस्तावेजों का मूल्यांकन कराया जाएगा।

वहीं सबसे अधिक 26 ठिकानों पर जयपुर में टीमें जांच में जुटी हैं। इसके अलावा उदयपुर, श्रीगंगानगर, करौली, कोटा, हिंडौन और मुंबई स्थित कार्यालयों व अन्य परिसरों में भी सर्च अभियान जारी है। जयपुर के आमेर स्थित होटल ताज और कूकस के कुंदन वन होटल पर भी आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही है। बताया जा रहा है कि ये दोनों आलीशान होटल भी कान्हा समूह की संपत्ति हैं। आयकर विभाग की टीमें बैंक खातों, डिजिटल रिकॉर्ड, नकदी लेन-देन और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच कर रही हैं। कई महत्वपूर्ण फाइलें और इलेक्ट्रॉनिक डाटा जब्त किए गए हैं। विभाग को बड़े स्तर पर आयकर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की आशंका है। जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट समूह पर आयकर विभाग ने गुरुवार को दूसरे दिन भी कार्रवाई की।

- **बैंक खातों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच तेज**
- **50 लाख कैश बरामद, आठ लॉकरों का होगा वैल्यूएशन**

आरयूएचएस मेडिकल कॉलेज को मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में स्थित आरयूएचएस मेडिकल कॉलेज को गुरुवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। कॉलेज की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी सांगानेर) हरिशंकर शर्मा ने बताया कि दोपहर करीब 11 बजे आरयूएचएस मेडिकल कॉलेज की ऑफिशियल ई-मेल पर कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस,एटीएस,डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस), फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

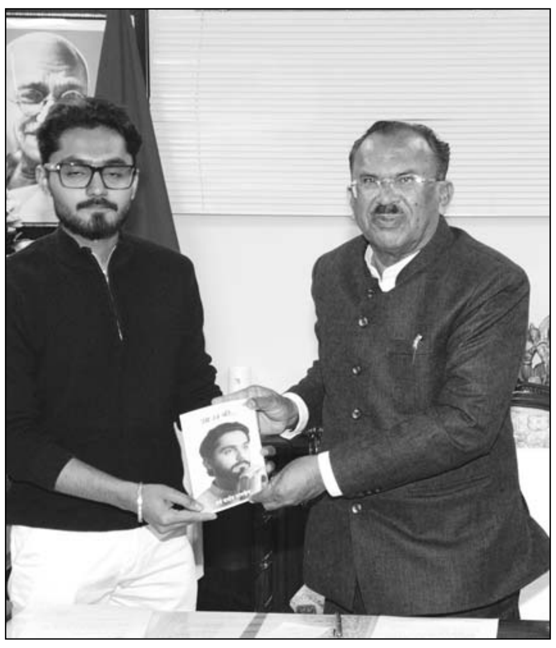
विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को युवा लेखक हर्ष वर्धन पाण्डेय ने अपनी नवीन कृति उम्र 18 की पति भेंट की। देवनानी ने युवा लेखक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हादसे में युवक की मौत

उदयपुर। शहर के प्रतापरगर थाना क्षेत्र में हुए सडक हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार रात में प्रतापनगर थाना क्षेत्र जिंक पुलिया के निचे बाइक पर पावर हाउस की तरफ जाते समय सामने से आ रहे ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक चालक कमलेश (25)जणवा निवासी रूण्डेडा गंभीर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई। इस पर एएसआई नरपतसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। कमलेश एनएनटी कंपनी में काम करता था।

दम तोड़ाः- शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में गत दिनों हुए सडक हादसे में घायल गुडली निवासी अनिल पुत्र गिरधारीलाल कुम्हरी की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई।

विधानसभा में नोहर बाईपास अलाइनमेंट पर बहस

- **सुरक्षा मानकों के साथ काम शुरू, विपक्ष ने उठाए सवाल**

जयपुर। नोहर विधानसभा क्षेत्र में बाईपास सड़कों के बदले गए अलाइनमेंट को लेकर गुरुवार को विधानसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि नए रोड सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट के आधार पर सभी सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए ही नया अलाइनमेंट तय किया गया है और कार्य प्रारंभ हो चुका है।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि नोहर क्षेत्र में साहवा रोड से सरदारशहर रोड तथा नोहर-पल्लू रोड से रावतसर रोड तक बाईपास निर्माण के लिए 4 सितम्बर 2023 को क्रमशः 219 लाख रुपये और 675 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई थी। दोनों कार्यों का शिलान्यास 7 अक्टूबर 2023 को किया गया था। पूर्व निर्धारित अलाइनमेंट पर डिमार्केशन कार्य शुरू हुआ, लेकिन कुछ काश्तकारों ने आपत्ति दर्ज कराई। बार-बार प्रयासों के बावजूद सहमति नहीं मिलने से भूमि का नामांतरण सार्वजनिक निर्माण विभाग के पक्ष में नहीं हो सका।

विवाद की स्थिति में साहवा रोड-सरदारशहर रोड का कार्य 15 दिसम्बर 2023 तथा पल्लू रोड-रावतसर रोड का कार्य 8 दिसम्बर 2023 को स्थगित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि अन्य काश्तकारों की सहमति के बाद राजस्व विभाग द्वारा भूमि का नामांतरण किया गया। सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर दोनों सड़कों का अलाइनमेंट बदला गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नए अलाइनमेंट से लागत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि 27 जुलाई 2024 को इन दोनों बाईपास कार्यों के लिए जांच कमेटी गठित की गई थी, जिसमें मुख्य अभियंता (पथ), अधीक्षण अभियंता (गुणवत्ता नियंत्रण) बीकानेर और अधीक्षण अभियंता (एनएच) बीकानेर शामिल थे। कमेटी ने 31 जुलाई 2024 को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत की।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार के जवाब पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह गंभीर मामला है और इस पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव भी लग चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि सदन में दिया जा रहा जवाब गुमराह करने वाला है। जूली ने सवाल उठाया कि किसानों का विरोध किस तारीख को प्राप्त हुआ, यदि लागत बढ़ी है तो उसकी जिम्मेदारी किस पर तय होगी? उन्होंने कहा कि पहले जहां फ्लाईओवर प्रस्तावित था, अब टी-पॉइंट बनाया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा? इस पर उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि नए अलाइनमेंट के अनुसार कार्य शुरू हो चुका है और यदि किसी प्रकार की आपत्ति है तो जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले अलाइनमेंट पर भूमि उपलब्ध नहीं हो सकी। इसलिए व्यावहारिक समाधान के रूप में नया अलाइनमेंट स्वीकृत किया गया है। नोहर बाईपास के बदले अलाइनमेंट को लेकर सदन में हुई इस बहस ने सड़क सुरक्षा, भूमि अधिग्रहण और परियोजनाओं की पारदर्शिता के मुद्दों को केंद्र में ला दिया।

प्रदेश के सभी जिलों में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए क्या कदम उठाए जा रहे : हाईकोर्ट

- **अदालत ने राज्य सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगते हुए जिलों की विभिन्न टाउनशिप से कचरा हटाने के लिए नियुक्त कर्मचारियों की जानकारी भी पेश करने को कहा है**

जयपुर, 19 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश के सभी 44 जिलों में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगते हुए जिलों की विभिन्न टाउनशिप से कचरा हटाने के लिए नियुक्त कर्मचारियों की जानकारी भी पेश करने को कहा है।

एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश केसर महावीर सेवा ट्रस्ट व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन ने अदालत को बताया कि मामले में राज्य सरकार की ओर से पूर्व में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं, लेकिन अभी तक उसकी पालना नहीं की गई है। अदालत ने सीकर जिले के लिए साल 2016 में पेश इस जनहित याचिका का दायरा बढ़ाते हुए इसे पूरे प्रदेश के लिए लागू कर दिया था।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि स्वायत्त शासन विभाग की ओर से प्रदेश में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए 11 मार्च, 2015 को दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके तहत कचरा निस्तारण के प्रावधान किए गए थे, लेकिन अब तक इन दिशा-निर्देशों की प्रभावी पालना नहीं की जा रही है। इस पर अदालत ने राज्य सरकार से हर जिले में ठोस कचरा प्रबंधन के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी के साथ ही टाउनशिप से कचरा हटाने के लिए नियुक्ति कर्मचारियों की जानकारी देने को कहा है।

जनहित याचिका में कहा गया था कि सीकर में व्यावसायिक इमारतों और आवासीय इलाकों में रहने वाले लोग जगह-जगह कचरा फेंक देते हैं। वहीं ठोस कचरा प्रबंधन को लागू नहीं करने से बारिश में शहर के हालात विकट हो जाते हैं। पूर्व में सुनवाई करते हुए अदालत ने इसे प्रदेश स्तर का मामला मानते हुए राज्य सरकार से जवाब तलब किया था।

देवनानी ने प्रधानमंत्री को सेवा तीर्थ से कार्यारंभ पर दी बधाई

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा**
- **सदन में विधायकगण ने मेजें थपथपाकर करतल ध्वनि से बधाई दी**

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को सदन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार से नवीन कार्यालय सेवा तीर्थ से कार्य प्रारंभ किया है। देवनानी ने इसके लिए राजस्थान विधानसभा की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। प्रधानमंत्री को सदन में विधायकगण ने मेजें थपथपाकर करतल ध्वनि से बधाई दी।

स्पीकर देवनानी ने सदन में कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ से अपने दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ किया है। यह राष्ट्र सेवा के प्रति उनके समर्पण और संकल्प का प्रतीक है। राजस्थान विधान सभा की ओर से उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाइयां। देवनानी ने कहा कि हम सभी को पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज से राष्ट्र हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे, जो देश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा। देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नागरिक देवों भव की भावना से प्रेरित होकर कर्तव्य भवन और लोक कल्याण मार्ग को भी राष्ट्र को समर्पित किया है। प्रधानमंत्री के ये निर्णय सेवा का संकल्प के साथ समाज के हर वर्ग तक पहुंच को साकार करेगा।

विधानसभा में ऑनलाइन सट्टा और प्रदूषण पर सरकार घिरी

- **विधानसभा में उद्योग व खेल अनुदान मांगों पर बहस**

जयपुर। उद्योग, युवा एवं खेल विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान बुधवार को राजस्थान विधानसभा में पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोकझोंक हुई। सदन में ऑनलाइन सट्टेबाजी, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, स्थानीय रोजगार, औद्योगिक प्रदूषण और खेल ढांचे जैसे मुद्दे छाए रहे।

कांग्रेस विधायक अशोक चाँदनाने ऑनलाइन सट्टे और नशे के बढ़ते चलन को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन गेमिंग और सट्टा कंपनियां युवाओं का शोषण कर रही हैं। चांदना ने कहा कि ऑनलाइन सट्टे में पैसा हारने के बाद युवा कर्ज और नशे की ओर धकेले जा रहे हैं। उन्होंने उच्च ब्याज दरों पर कर्ज देने वालों के खिलाफ अभियान चलाने की मांग की। साथ ही पुलिस पर तंज कसते हुए कहा कि युवाओं को बचाने के लिए ठोस कार्रवाई जरूरी है।

वहीं भाजपा विधायक अर्जुन जीनगरने बड़े उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक इकाइयों में स्थानीय संसाधनों का उपयोग तो हो रहा है, लेकिन रोजगार और ठेके बाहरी लोगों को दिए जा रहे हैं।

जीनगर ने दरीबा स्थित जिंक स्मेल्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि खनिज और पानी स्थानीय होने के बावजूद क्षेत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने औद्योगिक प्रदूषण, भूजल प्रभावित होने और सीएसआर फंड का लाभ स्थानीय लोगों तक नहीं पहुंचने के आरोप भी लगाए।

चर्चा के दौरान भीनमाल से कांठोस विधायक समरजीत सिंहने मोबाइल की बढ़ती लत और युवाओं पर उसके दुष्प्रभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मोबाइल गेम्स के कारण बच्चे आउटडोर खेलों से दूर हो रहे हैं और आत्मघाती प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। उन्होंने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और ठोस नीति बनाने की मांग की।

समरजीत सिंह ने आईपीएल मैचों को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि इस बार जयपुर में मैच होंगे या नहीं, इस पर संशय है। उन्होंनेका उल्लेख करते हुए कहा कि टीम के नाम में राजस्थान है, लेकिन राज्य को अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा। साथ ही उन्होंने खेल ढांचे के बेहतर उपयोग पर जोर दिया।

अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान सदन में कई बार तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले। विपक्ष ने जहां युवाओं से जुड़े मुद्दों और प्रदूषण पर सरकार को घेरा, वहीं सत्ता पक्ष ने अपने स्तर पर उठाए गए कदमों का बचाव किया।

प्रमुख स्वास्थ्य सचिव व निदेशक को अवमानना नोटिस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद भी सालों से संविदा पर काम कर रहे अभ्यर्थियों को नियमित करने के संबंध में पेश अभ्यावेदन को तय नहीं करने के मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव गायत्री राठौड और स्वास्थ्य निदेशक निदेशक सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश रामकन्या व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता चिकित्सा विभाग में सफाईकर्मी, एलडीसी और रेडियोग्राफर सहित अन्य पदों पर सालों से संविदा पर काम कर रहे हैं। संविदा अवधि को देखते हुए उन्हें नियमित नहीं किया गया। इस पर याचिकाकर्ताओं ने पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर गत 21 नवंबर को हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को विभाग में अपना अभ्यावेदन पेश करने को कहा था।

प्रश्नकाल में केवल प्रश्न-उत्तर, वाद-विवाद नहीं : देवनानी

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आज गुरुवार को सदन की कार्यवाही के दौरान स्पष्ट व्यवस्था देते हुए कहा कि प्रश्नकाल का उद्देश्य केवल सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करना है, न कि वाद-विवाद या विस्तृत चर्चा करना। स्पीकर देवनानी ने कहा कि प्रश्नकाल लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसमें जनप्रतिनिधि सरकार से जनहित से जुड़े मुद्दों पर तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करते हैं। अतः प्रश्नकाल के दौरान अनावश्यक बहस, आरोप-प्रत्यारोप या विषयांतर चर्चा से बचना चाहिए।

उन्होंने सभी माननीय सदस्यों से कहा कि वे नियमों एवं परंपराओं का पालन करते हुए संक्षिप्त एवं स्पष्ट प्रश्न पूछें तथा मंत्रीगण भी निर्धारित विषय पर सटीक और तथ्यात्मक उत्तर दें. जिससे सदन की कार्यवाही सुचारु, मर्यादित और प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। देवनानी ने कहा कि प्रश्नकाल की गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इससे जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सदन की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकता है।

देवनानी ने कहा कि पूर्व में दी गई अध्यक्षीय व्यवस्था में अनुपूरक प्रश्न मूल प्रश्न से ही संबंधित होना चाहिये। सदस्य को दो ही पूरक प्रश्न पूछने की अनुमति है।

स्लीपर बस ने स्कूल बस को मारी टक्कर, छह बच्चे घायल

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के फुलेरा थाना क्षेत्र में नागौर-फलोदी मेगा हाईवे पर गुरुवार सुबह बड़ा हादसा होते-होते टल गया। खतवाड़ी मोड़ के पास अनियंत्रित स्लीपर बस ने पहले 11 हजार केवी के बिजली पोल को टक्कर मारी। जिससे पोल टूटकर वहां खड़ी स्कूल बस पर गिर गया। इसके बाद स्लीपर बस ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में छह बच्चे घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार गुरुवार सुबह एक स्लीपर बस फरीदाबाद से मकराना शादी समारोह में शामिल होने जा रहे यात्रियों को लेकर जा रही थी। उसी समय एक स्कूल बस बच्चों को लेने के लिए सड़क किनारे खड़ी थी। सड़क पर बने गड्ढों के कारण जोबनेर की ओर से आ रही स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पहले बिजली के पोल से टकराई। टक्कर से पोल टूटकर स्कूल बस पर गिर पड़ा और स्लीपर बस बस स्टैंड पर लगी कुर्सियों में जा घुसी। वहां मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई।

इसके बाद स्लीपर बस ने स्कूल बस को पीछे से टक्कर मारी और एक पेड़ से टकराकर रुकी। टक्कर लगने से स्कूल बस में सवार छह बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार बारिश के कारण बिजली लाइन में फाल्ट होने से सप्लाई बंद थी। पोल गिरते समय बिजली बंद होने से बड़ा हादसा टल गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से काम कर रही सरकार'

जयपुर। विधानसभा परिसर में गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधानसभा परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी की सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर दृढ़ता से काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को किसी भी विभाग में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार की सूचना मिलती है, वहां संबंधित एजेंसियों द्वारा तुरंत और सख्त कार्रवाई की जाती है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में सामने आए जल जीवन मिशन घोटाले की जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की गई, जिसमें कई अधिकारियों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। जो आरोपी अब तक जांच एजेंसियों की पकड़ में नहीं आ सके हैं, उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं ताकि कोई भी दोषी देश छोड़कर भाग न सके।

वकीलों ने गठित की संघर्ष समिति, धरना जारी

जयपुर। शहर के एक निजी अस्पताल संचालक के खिलाफ दर्ज एफआईआर में गिरफ्तारी की मांग को लेकर बीती 16 फरवरी से जारी वकीलों का धरना गुरुवार को भी जारी रहा। वकीलों ने आंदोलन को उठा करते हुए मामले में संघर्ष समिति का भी गठन कर लिया है। वकीलों के धरने के चलते हाईकोर्ट के बाहर मुख्य मार्ग पर बीते चार दिनों से यातायात बंद है।

धरना स्थल पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने पुलिस प्रशासन के साथ छह सूत्रीय मांगों पर सहमति की बात कहते हुए धरना समाप्त करने की बात कही, लेकिन मौके पर मौजूद वकीलों ने आरोपी चिकित्सक की गिरफ्तारी तक धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही मामले में आगामी रणनीति तय करने के लिए संघर्ष समिति का गठन भी किया गया। गौरतलब है कि वकील की मां के इलाज में लापरवाही के कारण मौत का आरोप लगाते हुए गत सितंबर माह में अस्पताल संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामले में पांच माह में भी कार्रवाई नहीं होने पर वकीलों ने बीते सोमवार को चिकित्सक सोनदेव बंसल की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन शुरू किया था। वहीं बाद में प्रदर्शन अनिश्चितकालीन धरने में बदल गया था। वकीलों का आरोप है कि अस्पताल ने आरजीएचएस स्कीम का दुरुपयोग करते हुए लाखों रुपए के फर्जी बिल से भुगतान उठाया है। ऐसे में उसके खिलाफ व्यापक स्तर पर जांच की जाए और इलाज में लापरवाही को लेकर दर्ज एफआईआर में उसे गिरफ्तार किया जाए।

जल जीवन मिशन घोटाले में एफआईआर कराने हाईकोर्ट पहुंचे पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल

जयपुर। जल जीवन मिशन घोटाले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कराने के लिए पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल ने हाईकोर्ट में आपराधिक याचिका दायर की है। याचिका पर हाईकोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

सुबोध अग्रवाल के अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि याचिकाकर्ता सुबोध अग्रवाल का पीएचईडी में 18 अप्रैल, 2022 से कार्यकाल आरंभ हुआ था। वहीं इससे पूर्व में गणपति ट्यूबवेल और श्याम ट्यूबवेल की ओर से इरकॉन के फर्जी प्रमाण पत्र पेश कर पूर्व आईएएस अधिकारी के कार्यकाल में ही टेंडर प्राप्त कर लिए थे। याचिका में कहा गया कि आरोपी फर्म को दिए गए 95 फीसदी वर्क ऑर्डर तत्कालीन एसीएस की अध्यक्षता में बनी वित्त कमेटी ने स्वीकृत किए थे। केवल दस फीसदी से भी कम वेल्यू के टेंडर की स्वीकृति याचिकाकर्ता के कार्यकाल में दी गई थी। इसके बावजूद भी एसीबी ने इस संबंध में जांच नहीं की। इसके अलावा याचिकाकर्ता की अध्यक्षता में गठित वित्त कमेटी ने स्वीकृत किए गए टेंडर में एक भी पैसा दोनों फर्मों को नहीं दिया गया। जिससे सरकार को याचिकाकर्ता के कार्यकाल में कोई आर्थिक क्षित नहीं हुई। इरकॉन से ईमेल आते ही याचिकाकर्ता ने हाईलेवल कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही याचिकाकर्ता के कार्यकाल में दोनों फर्म का टेंडर निरस्त कर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया और अधिकारी विशाल सक्सेना पर भी कानूनी कार्रवाई की गई।

याचिका में यह भी कहा गया कि एसीबी की ओर से विशाल सक्सेना के बयानों का हवाला देते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की है। जबकि याचिकाकर्ता ने विशाल सक्सेना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसके चलते वह याचिकाकर्ता से ईष्र्या रखता है।

राजस्थान हाईकोर्ट में एक दिन बाद फिर मिली बम ब्लास्ट की धमकी

- **मुकदमों की सुनवाई भी आधा घंटा बाद में शुरू की गई**

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में एक बार फिर बम ब्लास्ट की धमकी मिली है। मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस के उच्चाधिकारियों को दी गई। वहीं मुकदमों की सुनवाई भी आधा घंटा बाद में शुरू की गई।

आए दिन बम ब्लास्ट की धमकी भरा अज्ञात ईमेल मिलने के बाद अब न्यायिक जगत में हास्यास्पद स्थिति पैदा हो गई है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों के सामने हालत ऐसे हो गए हैं कि न तो धमकी को हल्के में ले सकते हैं और ना ही सघन जांच में कोई कमी ला सकते हैं, लेकिन हर बार कोई संदिग्ध वस्तू भी नहीं मिलती। इस संबंध में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा का कहना है कि अब तो हाईकोर्ट प्रशासन भी धमकी भरा मेल पढने का आदि हो गया है। हर बार मेल मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन पुलिस को सूचना देता है और पुलिस आकर जांच कर चली जाती है, लेकिन अभी तक पुलिस के आईटी एक्सपर्ट को न तो ये पता चला है कि मेल कौन भेज रहा है और ना ही भेजने जाने वाले स्थान की जानकारी मिली है। आए दिन की धमकी को अब काफी सहजता से ही लिया जाने लगा है, लेकिन इससे मन ही मन भय का माहौल भी है कि कहीं धमकी वास्तविक निकली तो बड़ी घटना हो सकती है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत वर्ष 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी दी गई। वहीं 8 दिसंबर से लगातार चार दिनों तक बम ब्लास्ट को लेकर हाईकोर्ट प्रशासन को ईमेल भेजे गए। इसके बाद गत छह फरवरी और 17 फरवरी को ब्लास्ट की धमकी दी गई।

विधानसभा में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित

- **दो साल में निवेश को मिली रफ्तार, 1,600 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन अनुदान वितरित**

जयपुर, 19 फरवरी।उद्योग एवं वाणिज्य विभाग (मांग संख्या-56) की 17 अरब 53 करोड़ 05 लाख 98 हजार रुपये की अनुदान मांगें गुरुवार को राजस्थान विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दी गईं। बहस का जवाब देते हुए उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंहने कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में औद्योगिक निवेश ने उल्लेखनीय रफ्तार पकडी है और राज्य सरकार की दूरगामी नीतियों से सकारात्मक निवेश माहौल बना है। उन्होंने कहा कि उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और प्रतिस्पर्धी लागत के कारण राजस्थान में निर्मित उत्पाद एवं सेवाएं वैश्विक बाजार के अनुरूप बन रही हैं।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार ने निर्यात, एमएसएमई, हस्तशिल्प, हथकरघा, लॉजिस्टिक्स और 'एक जिला एक उत्पाद' जैसी पहलों सहित 13 नई सेक्टर वाइज नीतियां और योजनाएं लागू की हैं। इन प्रयासों से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को मजबूती मिली है, वहीं बड़े निवेश के लिए 'राइजिंग राजस्थान' जैसे आयोजनों से सकारात्मक संदेश गया है।

कर्नल राठौड़ ने कहा कि राज्य में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्राथमिकता दी गई है। राजस्थान सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम को सुदृढ़ करते हुए इंटीग्रेटेड पोर्टल के माध्यम से 180 सेवाओं में पेपरलेस क्लीयरेंस उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के समय इनकी संख्या लगभग 80 थी।

मंत्री ने कहा कि पूर्व सरकार की राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स) 2022 में खामियों के कारण निवेशकों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया। राज्य सरकार ने इन्हें दूर कर राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स) 2024 लागू की।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 में पूर्ववर्ती सरकार ने लगभग 487 करोड़ रुपये का अनुदान वितरित किया था, जबकि वर्तमान सरकार ने दो वर्षों में लगभग 1,600 करोड़ रुपये के निवेश प्रोत्साहन अनुदान स्वीकृत किए हैं।

मंत्री ने कहा कि 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौतों में से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। अलवर, जयपुर, सवाई माधोपुर, धौलपुर, जोधपुर और सीकर सहित विभिन्न जिलों में औद्योगिक परियोजनाओं पर कार्य प्रारंभ हो गया है। कर्नल राठौड़ ने कहा कि भूमि आवंटन और भू-उपयोग परिवर्तन प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। 99 वर्ष की लीज व्यवस्था में संशोधन कर 33 वर्ष का प्रावधान किया गया है। भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 10 हजार एकड़ का भूमि बैंक तैयार किया गया है, ताकि निवेशकों को त्वरित भूमि उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्रीकी मंशा और मुख्यमंत्रीके नेतृत्व में राज्य सरकार साफ नीति, नीयत और निष्पादन के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है, जिससे राजस्थान निवेश के लिए देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

पुलिस कमिश्नर 21 फरवरी को सामुदायिक केंद्र सांगानेर पर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम एवं शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 21 फरवरी (शनिवार) को दोपहर 12 से 2 बजे तक सामुदायिक केंद्र श्रीराम नगर कॉलोनी सांगानेर (नगर निगम कार्यालय सांगानेर के पीछे) पर उपस्थित रह कर जनसुनवाई करेंगे।इस दौरान सांगानेर सर्किल के सांगानेर,प्रताप नगर,रामनगरिया एवं मालपुरा गेट पुलिस थाने क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जावेगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

बारात निकासी के समय डीजे में 11 हजार केवी करंट दौड़ा, पांच बच्चे झुलसे

दो बच्चों को अलवर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में, तीन बच्चों शहर के हॉस्पिटल में भर्ती कराया

अलवर, (निसं)। अलवर के नियामतपुर गांव में गुरुवार दोपहर करीब दो बजे बारात के डीजे में करंट आने से 6 से 14 साल के पांच बच्चे झुलस गए। पांच में से दो बच्चे बुरी तरह झुलस गए, जिन्हें अलवर डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बाकी तीन बच्चे शहर के हॉस्पिटल में भर्ती हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।

नियामतपुर गांव के रहने वाले बृजकिशोर ने बताया कि परिवार में रामकिशोर और श्रीराम की बेटियों की शादी थी। बारात गुरुवार को आई थी। दोपहर में बारात निकलने के दौरान डीजे बज रहा था। गांव से निकलते समय डीजे में 11,000 केवी का करंट आ गया, जिससे डीजे पर बैठे पांचों बच्चे झुलस गए। इनमें से नियामतपुर के रहने वाले बृजकिशोर का बेटा बादल (14) और बावेकर खेरली का रहने वाला अंकित (13) बुरी तरह झुलस गए, जिन्हें अलवर

घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया।

डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बृजकिशोर ने बताया कि बारात कठूमर के पास अरुआ से आई थी और जब यह घटना हुई तो बारात की निकासी निकल रही थी।। बादल और अंकित के सिर, गर्दन और पीठ जल गए। दोनों घायल के पिता मजदूरी करते हैं।

■ अलवर के नियामतपुर गांव से निकलते समय डीजे में 11 हजार केवी का करंट आ गया, जिससे डीजे पर बैठे पांच बच्चे झुलस गए

जोधपुर में फैक्टरी के बाहर ट्रक चोरी : शहर के राजीव गांधी नगर पुलिस थाना क्षेत्र में एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी के सामने खड़ा ट्रक कोई चुरा ले गया। ट्रक मालिक ने इस बारे में पुलिस में रिपोर्ट दी है। जबकि दूसरी तरफ शहर में अलग-अलग स्थानों से दुपहिया वाहन भी चोरी होने के केस दर्ज हुए है। संबंधित थाना पुलिस अब वाहन चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि फलोदी जिले के मोहरा निवासी जुसब खां पुत्र मेहरदीन की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका ट्रक उमराव खां पेट्रोल पंप के निकट आई एक हैण्डीक्राफ्ट फैक्टरी के सामने 17 फरवरी की रात को खड़ा किया था। 18 की सुबह यह ट्रक अपने स्थान पर नहीं मिला। कोई उसे चुरा ले गया। आस पास पूछताछ में भी इसका पता नहीं लग पाया। पुलिस ने केस दर्ज कर अब सीसीटीवी फुटेज से ट्रक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

उदयमंदिर पुलिस ने बताया कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी कमल पुत्र लालचंद पारवानी अपनी स्कूटी लेकर रेलवे स्टेशन रोड पर आया था। तब वहां किसी काम से गया और वापिस आने पर उसकी स्कूटी चोरी हो चुकी थी। इस पर केस दर्ज किया गया। वहीं चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि महावीर नगर सांगरिया फांटा निवासी मोहनराम पुत्र तुलसीराम जाट ने रिपोर्ट दी कि वह अपनी बाइक लेकर मंगलवार को पाल बालाजी मंदिर में दर्शन करने आया था। मंदिर परिसर से कोई उसकी बाइक चुरा ले गया।

इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगी

आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के लोगों को जान बचाने के लिए पड़ोसियों की छत पर कूदना पड़ा

अजमेर, (निसं)। वरुण सागर रोड स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान में अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और दुकान में रखा पूरा इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दुकान मालिक संजय पाराशर को अचानक जलने की तेज बदबू आई। जब उन्होंने नीचे देखा तो दुकान के अंदर से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

परिजनों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के लोगों को जान बचाने के लिए पड़ोसियों की छत पर कूदना पड़ा। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई, हालांकि परिवार के लोग दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाने में काफी समय लगा, तब तक दुकान में रखा सारा सामान जल चुका था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आग से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फिलहाल शॉर्ट सर्किट से आग लगने का संभावित कारण बताया जा रहा है।

अजमेर में होटल की दूसरी मंजिल से गिरी लिफ्ट, युवती घायल

अजमेर, (निसं)। शहर के रामगंज पुलिस थाना क्षेत्र स्थित अजय नगर में संचालित एक होटल में लिफ्ट हादसे का मामला सामने आया है। होटल में ठहरी एक युवती बरखा लिफ्ट के माध्यम से नीचे उतरने के लिए चढ़ी थी, तभी अचानक लिफ्ट गिर गई। परिजन का आरोप है कि होटल मालिक ने लिफ्ट खराब होने का कोई नोटिस भी चस्पा नहीं कर रखा था। बताया जा रहा है कि लिफ्ट दूसरी मंजिल से नीचे गिर गई, जिससे बरखा नामक युवती घायल हो गई। हादसे के बाद परिजनों ने तुरंत उसे उपचार के लिए जवाहर लाल नेहरू अस्पताल अजमेर पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। परिजनों का आरोप है कि हादसे के समय होटल मालिक मौके पर मौजूद नहीं था और न ही किसी स्टाफ ने तुरंत सहायता की। परिजनों ने स्वयं एम्बुलेंस बुलाई और गेट तोड़कर युवती को बाहर निकाला।

अलवर में चार लाख से अधिक के अवैध पटाखे जब्त, एक गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। पुलिस थाना शिवाजी पार्क क्षेत्र में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण और बिक्री करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कार्रवाई में चार लाख रुपये से अधिक कीमत के पटाखे जब्त किए गए हैं।

■ गश्त के दौरान सूचना के आधार पर पुलिस ने तिजारा रोड स्थित दादू किराना स्टोर पर दबिश दी

अलवर में पुलिस थाना शिवाजी पार्क क्षेत्र में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण करने पर कार्रवाई की।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि जिला कलैक्टर के आदेशों की पालना में अवैध आतिशबाजी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) और वृत्ताधिकारी उत्तर शहर के सुपरविजन में थानाधिकारी चन्द्रशेखर शर्मा के नेतृत्व में टीम ने गुरुवार को गश्त के दौरान सूचना के आधार पर तिजारा रोड स्थित दादू किराना स्टोर पर दबिश देकर कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान बिना लाइसेंस पटाखों का भंडारण एवं बिक्री करते पाए जाने पर आरोपी प्रवीण कुमावत उर्फ गोलू (35) निवासी शिव कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में पटाखे जब्त किए हैं। हाल ही में हुए भिवाड़ी हादसे में सात लोगों की मौत के बाद जिले में प्रशासन अवैध पटाखा विक्रेताओं और फैक्ट्रियों के खिलाफ लगातार सर्च अभियान चला रहा है।

61 वर्षीय दिव्यांग को नहीं मिल रही पेंशन

चूरू, (कासं)। चूरू में एक 61 वर्षीय दिव्यांग को सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिल रही है।

गुसाईयों की छत्तरी के पास, वार्ड नंबर दो निवासी अहमद अली खान पुत्र सादुले खां ने बताया कि ई-मित्र के माध्यम से दिव्यांगता का प्रमाण पत्र बनवाकर पेंशन के लिए नगरपरिषद चूरू में एक वर्ष पहले आवेदन किया था। वहां से कोई जवाब नहीं मिला तो पुनः नगरपरिषद में गया। वहां बैठे बाबू ने कुछ कमियां बताई। अहमद अली खान पुत्र सादुले खां ने बताया कि दो माह पहले उन्हें भी पूरा कर दिया। उसके बाद भी आज तक पेंशन मिलनी शुरू नहीं हुई है। पेंशन शुरू हो जाती तो कुछ राहत मिल जाती। परन्तु नगरपरिषद वालों की मनमानी के कारण पेंशन नहीं मिल रही है। चूरू में सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

गंगापुर सिटी पीजी कॉलेज प्राचार्य विवाद सुलझा

गंगापुर सिटी। राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक प्रो. रमेश बैरवा ने राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) कुलदीप रांका एवं उप शासन सचिव हरिताभ कुमार आदित्य से मिलकर राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी प्राचार्य डॉ, सुमित्रा मीणा के दुर्भावनावश वेतन रोके जाने एवं डीडीओ पावर से वंचित किए जाने का प्रकरण रखा और प्रकरण के निस्तारण की मांग की।

इस पर एसीएस ने कॉलेज शिक्षा आयुक्त डॉ. ओमप्रकाश बैरवा को तुरंत काल कर सुमित्रा मीना के नाम डीडीओ पावर के आदेश तुरंत निकालने के लिए आदेशित किया। उपशासन सचिव उच्च शिक्षा से भी मिले। सुमित्रा मीना की एपीओ अवधि का अवकाश स्वीकृत कर नवंबर, दिसंबर एवं जनवरी माह के रोके गए वेतन दिलाने का निवेदन किया। दोनों ही उच्च अधिकारियों ने बहुत दिनों से प्रताड़ित, परेशान प्राचार्य सुमित्रा मीणा की समस्या को सुनकर इसका तुरंत समाधान करवाया जिसके लिए रुक्टा डेमोक्रेटिक ने एसीएस व डीएस का आभार जताया है।

■ प्राचार्य सुमित्रा मीना ही होगी अब डीडीओ

प्रो. बैरवा ने यह भी बताया कि 17.11. 2025 के सुमित्रा मीना के एपीओ आदेश को अकारण, राजनीति से प्रेरित मानकर कोर्ट ने अपास्त, निरस्त कर दिया था। इसके उपरांत कोर्ट के आदेश से 31.12. 2025 को सुमित्रा मीना ने राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी के प्राचार्य पद पर पुन : कार्यग्रहण कर आयुक्तालय को सूचित कर दिया था। आयुक्तालय के अधिकारी अंदरूनी रूप से इससे खुश नहीं थे। महाविद्यालय में दो-दो प्राचार्य की स्थिति बनी हुई थी। मैनावत सुमित्रा मीना को प्राचार्य ही नहीं मान रहे थे। मीडिया ने भी मुद्दे को जोर शोर से उठाया तो 29.फरवरी 2026 को आयुक्तालय के आदेश में सुमित्रा मीना को प्राचार्य तो मान लिया लेकिन डीडीओ पावर मैनावत के पास ही रखी, जबकि आयुक्तालय का दिनांक 24 जनवरी 2023 का आदेश है कि जो प्राचार्य है उसके पास ही डीडीओ पावर होगी। डीडीओ पावर में व्यवधान के लिए सहायक कोषाधिकारी तक को गुमराह किया प्रतीत होता है।

सोशल मीडिया पर अफीम पार्टी का वीडियो डाला, तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। धार्मिक स्थलों पर नशा और सोशल मीडिया पर उसका प्रदर्शन अब अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा रहा है। जिले के बनेड़ा थाना पुलिस ने ग्राम पंचायत बबराणा स्थित भदेरिया श्याम भैरूनाथ मंदिर परिसर में अफीम का सेवन करने और उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ और मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य व वृत्ताधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई के सुपरविजन में थानाधिकारी बछराज चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार, 17 फरवरी को जिला स्पेशल टीम से सूचना मिली कि बबराणा बस स्टैंड के पास मंदिर परिसर में कुछ लोग सार्वजनिक रूप से अफीम का सेवन कर रहे हैं।

■ बनेड़ा थाना पुलिस ने बबराणा स्थित मंदिर परिसर में अफीम का सेवन कर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कार्रवाई की

पुलिस टीम ने जब मौके पर दबिश दी, तो वहां तीन व्यक्ति अफीम के बर्तनों और पारंपरिक उपकरणों के साथ बैठे मिले। मौके से पुलिस ने एक स्टील का लोटा, प्याली, पीतल का गिलास और नक्काशीदार लकड़ी का स्टैंड, जिसमें शिवलिंग बना हुआ था और थैलियां लटकी थी, बरामद किया है। जिसका उपयोग अफीम घोटने और पीने के लिए किया जा रहा था। हैरानी की बात यह है कि आरोपियों ने अफीम का सेवन करते हुए फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी अपलोड किए थे। पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शंकर लाल गाडरी (30), गोपाल लाल सुथार (30) और पोखर लाल जाट (39) निवासी बबराणा को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी बछराज चौधरी, सउनि कृष्णगोपाल, कानिस्टेबल अजय कुमार और कानिस्टेबल देशराज की मुख्य भूमिका रही।

महाजन फायरिंग रेंज में "खड़ग शक्ति" युद्धाभ्यास 23 से

युद्धाभ्यास में सेना की पश्चिमी कमान की स्ट्राइक कोर अपनी ताकत दिखाएगी

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद महाजन फायरिंग रेंज में सेना का बड़ा युद्धाभ्यास "खड़ग शक्ति" होने जा रहा है। युद्धाभ्यास में सेना की पश्चिमी कमान की स्ट्राइक कोर अपनी ताकत दिखाएगी।

महाजन फायरिंग रेंज में 23 फरवरी को होने वाले इस अभ्यास में नाइट फायरिंग कर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर सटीक गोलाबारी का प्रदर्शन किया जाएगा। पश्चिमी सीमा पर संभावित खतरों से निपटने के लिए परिचालन तत्परता और विभिन्न सैन्य बलों के बीच समन्वय को परखा जाएगा। अभ्यास में स्वार्म ड्रोन, लोइटरिंग म्यूनिशन, क्वाडकॉप्टर और लॉजिस्टिक ड्रोन जैसे अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन होगा। तोपखाना, बख्तरबंद और मशीनीकृत इकाइयों के साथ हमलावर हेलीकॉप्टर भी हिस्सा लेंगे। रात में टैंकों से फायरिंग और दिन में हेलीबोर्न ऑपरेशन को अंजाम दिया जाएगा। आधुनिक तकनीकों पर केंद्रित इस अभ्यास में सेना दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करने की क्षमता का प्रदर्शन करेगी। इस अभ्यास को ऑपरेशन सिंदूर के बाद नए युद्धक्षेत्र सिद्धांत, बहु डोमेन और एआई तकनीक आधारित युद्ध की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। गौरतलब है कि भारतीय सेना की पश्चिमी कमान के तहत खड़गा कोर ने नवंबर 2024 में "खड़ग शक्ति" नामक एकीकृत फील्ड फायरिंग अभ्यास किया था। खड़ग शक्ति की तुलना "प्रचंड शक्ति" या "अशनि प्रहार" जैसे उन्नत अभियानों से की जाती है।

आयोग ने विचारित सूची जारी की

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत ब्रॉड स्पेशियालिटी-डरमैटोलॉजी, वेनेरियोलॉजी एंड लेप्रोसी/ स्किन एंड वीडी विषय की परीक्षा 3 जुलाई 2025 के तहत पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी की गई है। इसमें 20 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए अस्थाई रूप से सम्मिलित किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि यह सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है।

जोधपुर नगर निगम का बंद कमरे में पेश हुआ 1469 करोड़ का बजट

जोधपुर, (कासं)। नगर निगम की ओर से गुरुवार को बंद कमरे में 1469 करोड़ का बजट पेश किया गया। चुनाव नहीं होने के चलते निगम की प्रशासक और संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने बजट पेश किया। इससे पहले सुबह संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने अपने चेंबर में अधिकारियों की मीटिंग ली और बजट को लेकर चर्चा की।

गौरतलब है कि बजट को हर बार महापौर और पार्षदों की मौजूदगी में पेश किया जाता है, लेकिन इस बार चुनाव नहीं होने और निगम पार्षदों का कार्यकाल पूरा होने के चलते प्रशासक नियुक्त किया गया है। ऐसे में इस बजट को प्रशासक संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने पेश किया। इस दौरान आयुक्त सिद्धार्थ पलाचिनामा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बजट में शहर के ड्रेनेज सिस्टम और सफाई व्यवस्था के अलावा निगम की आय बढ़ाने को लेकर फोकस किया गया है। इस बार 1469 करोड़ का बजट पेश किया गया है। जिसमें आने वाले समय में शहर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने, दो प्रमुख मार्गों को आदर्श मार्ग बनाने ओर कचरा ढोने से लेकर उसकी प्रोसेसिंग के कामों में एक ही वेंडर को लगाने के प्रस्ताव भी पारित किए गए। अब इस बजट को राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

■ चुनाव नहीं होने के चलते निगम की प्रशासक और संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह ने बजट पेश किया

बजट को लेकर प्रशासक प्रतिभा सिंह ने बताया कि पूर्व में नगर निगम का क्षेत्रफल 234 स्क्वेयर किमी था जो अब नगर निगम के एकीकरण होने से 290 स्क्वेयर किमी हो गया हैं। इस बजट में भी इसका ध्यान रखा है।

इस बार नगर निगम उत्तर और दक्षिण दोनों का एकीकरण कर दिया गया है। इसके साथ ही वार्ड भी घटाकर सौ कर दिए गए हैं। इन सौ वार्डों के लिए 1469 करोड़ का बजट पारित किया गया है। इसमें पार्षद का बजट 50 से 60 लाख रुपए किया गया है। पार्षद अब अपने वार्ड में साठ लाख के विकास कार्य करवा सकेंगे। जोधपुर में सफाई व्यवस्था में अभी कचरा उठाने से लेकर कचरा ले जाने आदि में अलग-अलग वेंडर है। अभी डोर टू डोर गाड़ी आ रही है उसका वेंडर अलग है। जेसीबी का वेंडर, ट्रैक्टर का वेंडर अलग है। ऐसे में अब बड़े शहरों की तर्ज पर एक ही वेंडर होगा, जो प्राइमरी कलेक्शन से लेकर कचरे के निस्तारण की लास्ट स्टेज तक एक ही वेंडर होगा। इसके तहत इंटीग्रेटेड सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था की गई है।

बजट में घोषणा के मुताबिक नगर निगम की ओर से भूमि का रिकॉर्ड डिजिटलाइजेशन किया जाएगा। वर्तमान में निगम क्षेत्राधिकार की करीब एक लाख फाइलें हैं। जिनमें से 22 हजार का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है। शेष अन्य के लिए इस बजट में 11 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। ऐसे में आने वाले समय में निगम एरिया के प्लॉट, खाली जमीन से लेकर सभी तरह की बिल्डिंग आदि की जानकारी डिजिटल भी मिल सकेगी। इस बजट में पार्किंग का भी विशेष ध्यान रखा गया है। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए निगम के विभिन्न जोन में नए पार्किंग स्थलों का चिन्हीकरण करके निगम की ओर से विकसित किया जाएगा।

प्रशासक प्रतिभा सिंह ने बताया प्रदेश सरकार की चालू वित्तीय घोषणा के तहत ईवी और सीएनजी स्टेशन पीपीपी मोड में विकसित किए जाएंगे। वर्तमान में शहर में दस जगहों पर इसका कार्य प्रगति पर है। निगम बजट में अब आने वाले समय में 30 जगहों पर ईवी स्टेशन प्रस्तावित किए हैं। शहर के 7 टूरिस्ट पैलेस पर भी ये स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए शहर में 15 नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने का बजट में निर्णय लिया गया है।

अलवर में अखिल भारतीय सैनी सामूहिक विवाह समारोह में 16 जोड़ों का विवाह

अलवर, (निसं)। सैनी समाज सामूहिक विवाह एवं समाज उत्थान समिति, अलवर के तत्वाधान में 29वां अखिल भारतीय सैनी सामूहिक विवाह समारोह गुरूवार (फुलेरादोज) को आयोजित हुआ। सम्मेलन में 16 जोड़ों का प्याज मण्डी (नई सब्जी मण्डी) अग्रासेन सर्किल के पास विवाह सम्पन्न हुआ।

समिति महामंत्री पदमचन्द सैनी ने बताया कि सर्वप्रथम 16 दूल्हों की सामूहिक बारात निकासी को विभिन्न समाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रातः नौ बजे पुरानी तहसील परिसर से रवाना करते हुए रोड़ नम्बर-2, भगत सिंह सर्किल, मण्डी पुलिया, अग्रसेन सर्किल होते हुए दोपहर बारह बजे विवाह समारोह स्थल प्याज मण्डी (नई सब्जी मण्डी) पहुंची। समारोह स्थल पर आर्चाय रामकिशन पांडे एवं अन्य पंडितों द्वारा तोरण, वरमाला एवं पाणिठाहण संस्कार की सामुहिक रस्में सम्पन्न करवाई गई। समिति द्वारा गत 15 फरवरी 2026 रविवार को आयोजित मेहन्दी, रंगोली एवं फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को सहित 33 लक्की ड्रॉ कुपन निकालकर सम्मानित किया गया

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 16 जोड़ों की वैवाहिक रस्में हुई।

समिति प्रवक्ता जितेन्द्र खुराडिया ने बताया कि वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान करने हेतु आशीर्वाद समारोह अध्यक्ष सुमेर सिंह सैनी राष्ट्रीय अध्यक्ष सैनी सभा, सरस डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान, बबिता शर्मा पत्नी संजय शर्मा वन एवं पर्यावरण मंत्री, शहर कोतवाल रमेशचन्द सैनी, तहसीलदार खेमचन्द सैनी, तिजारा समाज अध्यक्ष किशन सैनी, मालाखेड़ा समाज अध्यक्ष लालाराम सैनी, किशनगढ़ अध्यक्ष अशोक सैनी, बानसूर अध्यक्ष, निरंजन लाल सैनी, राजगढ़ समाज अध्यक्ष पी.डी. सैनी, मण्डल अध्यक्ष भाजपा रामगढ़ भगवान सैनी, गंजकिशनगढ़ प्रधान मुकेश सैनी सहित विभिन्न अतिथियों का माल्यापर्ण एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैनी महासभा जिलाध्यक्ष पूर्णमल सैनी ने की। कार्यक्रम संरक्षक अभय सैनी (पप्पू भाई प्रधान) ने सहित उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि सामूहिक विवाह का कार्यक्रम वर्तमान समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में समानता एवं समरसता की भावना जाग्रत होती हैं। लगातार 29वां सामूहिक विवाह का आयोजन करना एक अच्छी पहल है जिसमें युवावर्ग एवं शिक्षित वर्ग को भी आगे आकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रताप सैनी, अलवर फलसब्जी आढ़ती युनियम अध्यक्ष कैलाशचन्द सैनी, राष्ट्रीय सैनी सभा अध्यक्ष कमल सैनी, सैनी छात्रावास समिति अध्यक्ष रामप्रसाद सैनी, सैनी शिक्षा समिति अध्यक्ष जगदीश सैनी, कोषाध्यक्ष रामरतन सैनी, महामंत्री पदनचन्द सैनी, उपाध्यक्ष रूपकिशोर सैनी, लक्ष्मण सिंह सैनी, उपाध्यक्ष पंकज सैनी, रोशनलाल आढतिया, सुबेदार सुरेश चन्द सैनी, रामजीलाल खुराडिया, दुर्गाप्रसाद सैनी, लक्ष्मी नारायण सैनी, ओमप्रकाश सैनी, गणेश सैनी, युवा अध्यक्ष हेमन्त सैनी, जयकुमार खुराडिया, राजेन्द्र सैनी, महेश सैनी, ओमप्रकाश सैनी, भारत सैनी, बाबूलाल बाल्याण, डॉ. डी.के. सैनी, टेकचन्द कौलावत, खन्ना सैनी, बिरदाराम सैनी, कैप्टन उमरावलाल सैनी, अमित सैनी, राहुल सैनी सहित अलवर जिले के अलावा दौसा, कोटपुतली, विराटनगर, डीग, कांमा, भरतपुर, नारनोल सहित आस-पास के जिलों एवं अन्य राज्य के लोगों भी शामिल हुए।

यह पहल राजस्थान रॉयल्स की अगली पीढ़ी को तैयार करने की पक्की कमिटमेंट को दिखाती है, जिसमें सिर्फ़ क्रिकेटर ही नहीं, बल्कि सोचने वाले, लीडर और सपने देखने वाले लोग भी शामिल हैं।

– रियान पराग

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान, एक प्रेस कॉफ्रेंस में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शिवम दुबे

भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कहा कि टीम में ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से निपटने में किसी भी समस्या के बारे में कोई चर्चा नहीं है। दुबे की विस्फोटक 31 गेंदों में खेली गई 66 रनों की पारी और उनके दो विकेटों ने उन्हें अहमदाबाद में नीदरलैंड्स पर 17 रनों की जीत में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया और यह प्रदर्शन दुबे के लिए संकट प्रबंधन का एक और उदाहरण था। जब वह 14वें ओवर में 110/4 के स्कोर पर बल्लेबाजी करने आए, तो उनकी टीम को तेजी से रन बनाने की जरूरत थी और उनकी इस पारी ने टीम को 190 रनों के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया।

क्या आप जानते हैं ?... 2025-2026 की अवधि में भारतीय क्रिकेट टीम ने सीमित ओवरों के क्रिकेट और टेस्ट में अपनी बादशाहत कायम रखी है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

ऑस्ट्रेलिया व ओमान के बीच शाम 7 बजे

जिला क्रिकेट संघ के मुकेश शाह अध्यक्ष, विनोद सहारण सचिव, विधायक बिहाणी बने कोषाध्यक्ष

श्रीगंगानगर, 19 फरवरी। जिला क्रिकेट संघ की वार्षिक साधारण सभा की बैठक होटल प्राईम रेजीडेन्सी में संपन्न हुई, जिसमें आगामी चार वर्षों (2026-2030) के लिए नई कार्यकारिणी का निर्विरोध चयन किया गया। नई कार्यकारिणी का गठन चुनाव मुख्य अधिकारी राजेन्द्र शर्मा (सेवानिवृत्त आर.ई.एस.) की देखरेख में संपन्न हुए। सर्वसम्मति से मुकेश शाह अध्यक्ष, सचिव विनोद सहारण, कोषाध्यक्ष जयदीप बिहाणी(भाजपा विधायक), वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेन्द्र कूकणा, उपाध्यक्ष प्रदीप पाठक एवं गुलविन्द्र सिंह, संयुक्त सचिव कुलदीप सिंह व प्रेम अरोड़ा तथा तकनीकी सलाहकार अनिल कुमार गोदारा निर्वाचित हुए हैं। यह चुनाव राजस्थान क्रिकेट संघके पर्यवेक्षक सतीश व्यास, जिला ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षक राजारामढाका और सहायक चुनाव अधिकारी हंसराज वर्मा की उपस्थिति में हुए। सभी नामांकनों की बारीकी से जांच के बाद निर्विरोध निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की गई।

जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप के लिए सेमीफाइनल मुकाबले आज

जयपुर, 19 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप (14 गोल्स) टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ठाउंड (आरपीसी) पर खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल मैच टीम जयपुर अरावली और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच दोपहर 12 बजे से खेला जाएगा। वहीं, दूसरा मैच टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच दोपहर 3 बजे खेला जाएगा। जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप का फाइनल मुकाबला शनिवार, 21 फरवरी को दोपहर 3:30 बजे से आरपीसी ग्राउंड पर खेला जाएगा। पहले सेमीफाइनल में टीम जयपुर अरावली की ओर से प्रताप सिंह कानोता, लांस वॉटसन, मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे और हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह खेलेंगे। वही, टीम विमल एरियन अचीवर्स में सलीम आजमी, ध्रुवपाल गोदारा, डेनियल ओटामेंडी और अलेजो अरामबुरु शामिल होंगे। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से अशोक चांदना, कुलदीप सिंह राठौड़, मैनुअल प्राडो और माटियास वायल खेलेंगे। वहीं टीम जिंदल पोलो की ओर से नवीन जिंदल, सिद्धांत शर्मा, सिमरन शेरगिल और मैक्स चार्ल्टन मैदान में उतरेंगे।

ब्रायन बेनेट और सिकंदर रजा का तूफान, टी-20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को दी मात

नई दिल्ली, 19 फरवरी। जिम्बाब्वे का टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन आज भी जारी रहा, जब उसने अपने अंतिम ग्रुप चरण के मैच में श्रीलंका को छह विकेट से हराकर 179 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ, जिम्बाब्वे ग्रुप बी की एकमात्र ऐसी टीम बन गई है जो अब तक अपराजित है और चार मैचों के बाद सात अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। ब्रायन बेनेट, जो अभी तक टूर्नामेंट में आउट नहीं हुए हैं, और कप्तान सिकंदर रजा इस जीत के नायक रहे और जिम्बाब्वे ने टूर्नामेंट के सुपर 8 राउंड में जबरदस्त जोश के साथ प्रवेश किया।

दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है। इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनने के बाद, श्रीलंका ने अपने 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। पथुम निस्संका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने प्रदर्शन को जारी रखते हुए 41 गेंदों में 62 रन बनाकर अपनी टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। पवन रत्नायके ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों में 44 रन बनाए, लेकिन श्रीलंका को पारी के दूसरे भाग में अपेक्षित गति नहीं मिल पाई। हालांकि उन्होंने अंतिम छह ओवरों में 36 रन बनाए, लेकिन 13 से 17 ओवरों के बीच उनकी गति काफी धीमी हो गई और वे पांच ओवरों में केवल 42 रन ही बना सके। 12 ओवरों के बाद 100/1 के स्कोर पर मेजबान टीम 200 रनों के करीब का स्कोर बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रही थी, लेकिन अंततः वे केवल 178 रन ही बना सके। ग्रीम क्रेमर और ब्रैड इवांस श्रीलंका की धीमी गति के मुख्य कारण थे, क्योंकि उन्होंने चार विकेट बराबर-बराबर बांटे।

विंडीज की टी-20 वर्ल्डकप में लगातार चौथी जीत, इटली को 42 रन से हराया

कोलकाता, 19 फरवरी। वेस्टइंडीज ने टी-20 वर्ल्डकप के 37वें मुकाबले में इटली को 42 रन से हरा दिया। वेस्टइंडीज की इस वर्ल्डकप में यह लगातार चौथी जीत है। गुरुवार को दिन के पहले मैच में इटली ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 165 रन बनाए हैं। जवाब में इटली 18 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। ग्रुप-सी का यह आखिरी मुकाबला था। 166 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इटली के लिए बेन मैनेंटी ने 26, जेजे स्मट्स ने 24, एंथोनी मोस्का ने 19 और ग्रांट स्टीवर्ट ने 12 रन बनाए। बाकी 7 बैटर्स दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। वेस्टइंडीज के लिए शमार जोसेफ ने 4, मैथ्यू फोर्ड ने 3 और गुडाकेश मोती ने 2 विकेट लिए। अकील हुसैन को भी 1 विकेट मिला। वेस्टइंडीज के लिए शाई होप ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 46 बॉल पर 75 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा, रोस्टन चेज 24 और शेरफेन रदरफोर्ड ने नाबाद 24 रन बनाए। इटली के लिए क्रिशन कलुगमागे और बेन मैनेंटी ने 2-2 विकेट लिए। अली हसन और थॉमस ड्राका को 1-1 विकेट मिला।

अफगानिस्तान ने अपने आखिरी मैच में कनाडा को हराया

चेन्नई, 19 फरवरी। अफगानिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप में गुरुवार के आखिरी मैच में कनाडा को 201 रन का टारगेट दे दिया। कनाडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। अफगानिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 200 रन बनाए। इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 5 छक्के लगाए। कनाडा ने 19 ओवर में 8 विकेट पर 117 रन बना लिए हैं। जसकरन सिंह और अंश पटेल पिच पर हैं। दिलोन हेलिगर (3 रन) को मोहम्मद नबी ने कैच आउट कराया। उन्होंने हर्ष ठाकेर (30 रन), निकोलस किर्टन (10 रन) और युवराज समरा (17 रन) को भी पवेलियन भेजा। राशिद खान ने साद बिन जफर (28 रन) और श्रेयस मोव्वा (2 रन) के विकेट लिए। करियर का आखिरी मैच खेल रहे नवनीत धालीवाल जीरो पर आउट हुए। उन्हें अजमतुल्लाह उमरजई ने दरविश रसूली के हाथों कैच आउट कराया। दिलप्रीत बाजवा (13 रन) को मुजीब उर रहमान ने बोल्ड किया।

ला लीगा में बार्सिलोना की राह मुश्किल, निराश टीम ने भरी हुंकार, कहा- खिताब जीतेंगे

नई दिल्ली, 19 फरवरी। स्पेनिश फुटबॉल में इस समय बार्सिलोना के लिए दौर थोड़ा चुनौतीपूर्ण चल रहा है। हाल में टीम को एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ कोपा डेल रे में और गिरोना के खिलाफ ला लीगा मुकाबले में निराशाजनक परिणाम झेलने पड़े।

इन लगातार झटकों के बाद टीम के खिलाड़ियों ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है और वापसी का भरोसा जताया है। मौजूद जानकारी के अनुसार गिरोना के मैदान मोंटिलिवी में मिली हार के बाद मुख्य कोच हांसी फ्लिक ने खिलाड़ियों को दो दिन का अवकाश दिया, ताकि टीम मानसिक और शारीरिक रूप से खुद को फिर से तैयार कर सके। सीजन के इस अहम मोड़ पर यह ब्रेक खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को रीसेट करने की कोशिश माना जा रहा है। ब्राजीलियाई विंगर राफिन्हा ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा कि टीम को कई चीजों में सुधार की जरूरत है, लेकिन हालात कभी-कभी जटिल भी होते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि चाहे परिस्थितियां पक्ष में हों या विरोध में, टीम हर चुनौती का सामना करेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय विमेंस टीम 17 रन से दूसरा टी-20 हारी

नई दिल्ली, 19 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया ने इंडिया विमेंस को 17 रन से दूसरा टी-20 हरा दिया। गुरुवार को कैनबरा में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने 163 रन बनाए। जवाब में टीम इंडिया 9 विकेट खोकर 144 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया के लिए जॉर्जिया वॉल ने सबसे ज्यादा 88 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वॉल ने मूनी के साथ मिलकर पहले विकेट लिए 128 रन जोड़े और ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी। भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया को दोनों ओपनर्स जॉर्जिया वॉल और बेथ मूनी ने अच्छी शुरुआत दिलाई।

दोनों ने शतकीय साझेदारी करते हुए पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़े। 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने बिना विकेट खोए 128 रन बना लिए थे। ऐसा लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया 180 या 190 के स्कोर तक पहुंच सकती है, लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को

5 विकेट पर 163 रन के स्कोर पर रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया से वॉल ने 57 गेंदो पर 88 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं मूनी ने 39 गेंदों पर 46 रन बनाए। भारत के लिए अरुंधति रेड्डी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

जबकि रेणुका ठाकुर को 1 विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की दो बैटर्स रन-आउट हुईं। 164 रन के टारगेट का पीछा करते हुए भारत ने तेज शुरुआत की। दोनों ओपनर्स शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 54 रन बना दिए। भारत ने 7वें ओवर में 57 रन पर शेफाली का विकेट गंवाया और 10वें ओवर तक स्कोर 71 रन पर 3 विकेट हो गया। कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष ने फिर चौथे विकेट के लिए 55 रन की पार्टनरशिप की, लेकिन इस पार्टनरशिप के टूटते ही भारत ने अगले 7 रन के अंदर 6 विकेट गंवा दिए।

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत ने सबसे ज्यादा 36 रन की पारी खेली। वहीं स्मृति ने 31 और शेफाली ने 29 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एश्ले गार्डनर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। उनके अलावा किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलेन्यू ने 2-2 विकेट लिए। भारत ने पहला टी-20 जीता, वहीं ऑस्ट्रेलिया के नाम दूसरा टी-20 रहा। सीरीज का तीसरा और डिसाइडर मुकाबला 21 फरवरी को एडिलेड स्टेडियम में खेला जाएगा।

यह बेहद खराब अभियान रहा : पोंटिंग

नई दिल्ली, 19 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद खराब अभियान रहा है। मंगलवार को बारिश के कारण जिम्बाब्वे और आयरलैंड के बीच ग्रुप स्टेज का मैच रद्द होने के बाद ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप से बाहर हो गया है। टूर्नामेंट की पसंदीदा टीमों में से एक के लिए ग्रुप स्टेज से बाहर होना एक बड़ा झटका था।आईसीसी रिव्यू के हालिया एपिसोड में पोंटिंग ने कहा कि यह कहना होगा कि यह बेहद खराब अभियान रहा है। पोंटिंग ने कहा कि शुरुआत में ही उन्हें कुछ चोटों की चिंता थी, (जोश) हेज़लवुड और (पैट) कमिंस बाहर हो गए थे, और फिर टिम डेविड भी शुरुआत में ही उपलब्ध नहीं थे। लेकिन मुझे लगता है कि जिम्बाब्वे से जिस तरह से वे हारे, वह एक ऐसा मैच होगा जिसे वे याद करेंगे और सोचेंगे कि यहीं से हमारा विश्व कप हाथ से निकल गया। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले टीमों को देखते हुए, मुझे लगा था कि श्रीलंका को उसके घर पर हराना मुश्किल होगा, और ऐसा ही हुआ। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत अच्छा खेला। 'लेकिन यह सोचकर हैरानी होती है कि जिम्बाब्वे ने आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया को मात दी, ऐसे मौके टूर्नामेंट में गंवाने का जोखिम नहीं उठाया जा सकता। पोंटिंग ने हल्के-फुल्के अंदाज में यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उन्हें कुछ मज़ाक का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया का टूर्नामेंट में एक मैच बाकी है।

भारत-बीसीसीआई से रिश्ते सुधारना चाहता है बांग्लादेश : आसिफ नजरुल

नई दिल्ली, 19 फरवरी। बांग्लादेश के नए स्पोर्ट्स मिनिस्टर अमीनुल हक 1 और भारत के साथ रिश्ते सुधारना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को जल्दी सुलझाना चाहते हैं। उन्होंने बांग्लादेश के मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने का जिक्र किया। हक ने कहा- शपथ लेने के बाद मैं पार्लियामेंट बिल्डिंग में भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मिला। मैंने उनसे टी-20 वर्ल्ड कप पर बात की। यह एक अच्छी बातचीत थी। मैंने उनसे कहा कि हम इस मुद्दे को बातचीत से जल्दी सुलझाना चाहते हैं क्योंकि हम अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ दोस्ताना रिश्ते बनाए रखना चाहते हैं। इस टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को अपने मुकाबले मुंबई और कोलकाता में खेलने थे। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टीम ने भारत दौरे पर आने से इनकार कर दिया। इसके बाद 2 ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल करने का फैसला किया था।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बनी

नई दिल्ली, 19 फरवरी। टीम इंडिया महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया है। वह अब महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। भारतीय दिग्गज क्रिकेटर ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में टीम की कप्तानी करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। 19 फरवरी को अपने 356वें अंतरराष्ट्रीय मैच में मैदान पर उतरकर कौर ने न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स को पीछे छोड़ते हुए महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी का खिताब हासिल किया। हरमनप्रीत और सूजी बेट्स के बाद, एलिसे पेरी (349 मैच, ऑस्ट्रेलिया) अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटरों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में सोफी डिवाइन (305, न्यूजीलैंड), हीथर नाइट (303, इंग्लैंड) और डैनी व्याट-हॉज (302, इंग्लैंड) भी शामिल हैं। हरमनप्रीत कौर ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 वनडे और 189 टी20 मैच खेले हैं। इन छह टेस्ट मैचों में उन्होंने 200 रन बनाए हैं। 36 वर्षीय हरमनप्रीत ने वनडे में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन बनाए हैं। खास बात यह है कि इस अनुभवी भारतीय क्रिकेटर ने 35 महिला प्रीमियर लीग, 62 महिला बिग बैश लीग और 10 महिला शतकीय टूर्नामेंट भी खेले हैं।हरमनप्रीत कौर ने 2025 विश्व कप में भारतीय टीम को पहली बार विश्व कप का खिताब दिलाया, जहां फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर टीम ने खिताब अपने नाम किया। गुरुवार को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के टॉस के समय, महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर हरमनप्रीत कौर ने कहा, ''यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

हैरी केन की एलिट क्लब में एंट्री, 500 गोल दागकर मेसी-लेवांडोव्स्की के साथ हुए शामिल

नई दिल्ली, 19 फरवरी। यूरोपीय फुटबॉल में इन दिनों हैरी केन का नाम लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शायद ही कोई सप्ताह गुजरता हो जब इंग्लैंड के कप्तान कोई नया व्यक्तिगत कीर्तिमान स्थापित न कर रहे हों। अब एक और बड़ी उपलब्धि उनके नाम जुड़ गई है। जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने अपने करियर के 500 गोल पूरे कर लिए हैं। फुटबॉल आंकड़ों की वेबसाइट ट्रांसफरमार्क्ट के मुताबिक, वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले तीसरे सबसे तेज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि क्रिस्टियानो रोनाल्डो से 10 मैच कम खेलकर हासिल की है। गौरतलब है कि इस सदी में 500 करियर गोल के आंकड़े तक उनसे तेज सिर्फ लियोनेल मेसी और बायर्न के पूर्व स्टार रॉबर्ट लेवानडॉस्की ही पहुंच पाए हैं। यह उपलब्धि केन को उन दिग्गज खिलाड़ियों से भी आगे खड़ा करती है जिनमें लुइस सुआरेज़, ज़्लाटन इब्राहिमोविच और करीम बेंज़ेमा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार इस सूची में सबसे चौंकाने वाली बात केन का शामिल होना नहीं, बल्कि मेसी का बाकी खिलाड़ियों से काफी आगे होना है। लेवांडोव्स्की, केन और रोनाल्डो के बीच मैचों की संख्या का अंतर अपेक्षाकृत कम है, लेकिन मेसी ने लगभग सौ मैच कम खेलकर यह आंकड़ा छू लिया था। यह

अंतर उनके असाधारण स्तर को दर्शाता है। बता दें कि मेसी ने अपने सीनियर करियर की शुरुआत सीधे एफसी बार्सिलोना जैसे शीर्ष क्लब से की थी, जहां उन्हें शुरुआती दौर से ही बड़े मंच पर खेलने का मौका मिला। वहीं लेवांडोव्स्की और केन को शीर्ष स्तर तक पहुंचने के लिए क्लब संरचना में क्रमिक रूप से आगे बढ़ना पड़ा। केन ने टॉटनहैम हॉटस्पर के साथ अपने करियर को नई ऊंचाई दी और बाद में बायर्न म्यूनिख से जुड़कर गोल स्कोरिंग की रफ्तार और तेज की है। जानकारों का मानना है कि 500 गोल का आंकड़ा पार करना किसी भी स्ट्राइकर के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि इसमें क्लब और देश दोनों के लिए लगातार प्रदर्शन की आवश्यकता होती है। केन की यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत निरंतरता को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि आधुनिक फुटबॉल में प्रतिस्पर्धा के बीच खुद को शीर्ष स्तर पर बनाए रखना कितना कठिन है।

आईपीएल 2026 के लिए पंजाब किंग्स को मिली नई सुरक्षा

नई दिल्ली, 19 फरवरी। पिछले साल शानदार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीज़न के बाद, जिसमें पंजाब किंग्स फाइनल तक पहुंची थी, फ्रेंचाइजी आईपीएल 2026 में नए जोश के साथ उतरने के लिए तैयार है।पंजाब किंग्स ने एक प्रसिद्ध वैश्विक सुरक्षा और निगरानी ब्रांड सीपी प्लस के साथ रणनीतिक साझेदारी की है।

एक विज्ञिप्त के अनुसार, सीपी प्लस आईपीएल 2026 के लिए टाइटल स्पॉन्सर की भूमिका निभाएगा। यह साझेदारी भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को दर्शाती है और दो ऐसे ब्रांडों को एक साथ लाती है जो प्रदर्शन, विश्वसनीयता और नवाचार के माध्यम से आज के दर्शकों से मजबूती से जुड़े हुए हैं।

सीपी प्लस एक अग्रणी वैश्विक सुरक्षा और निगरानी ब्रांड है, जो वीडियो निगरानी, बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल, होम ऑटोमेशन और एंटरप्राइज सुरक्षा प्रणालियों में उन्नत समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। नवाचार और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित, सीपी प्लस घरों, व्यवसायों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में एक विश्वसनीय नाम बना हुआ है।

इस साझेदारी के तहत, पंजाब किंग्स और सीपी प्लस मिलकर एक ऐसा अभियान चलाएंगे जो पूरे सीज़न में डिजिटल-आधारित कहानी कहने, ज़मीनी स्तर पर ज़बरदस्त गतिविधियों और प्रशंसकों पर केंद्रित अनुभवों पर आधारित होगा। यह साझेदारी स्टेडियम और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तकनीक-आधारित एकीकरण पर भी ध्यान केंद्रित करेगी, जिसका उद्देश्य मैच के दिनों को प्रशंसकों के लिए और अधिक रोमांचक और आकर्षक बनाना है।

पाकिस्तान क्रिकेटर इमाद वसीम पर हत्या का आरोप, पूर्व पत्नी ने सबूतों के साथ खोले राज

नई दिल्ली, 19 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट से जुड़ा एक निजी विवाद इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। पाकिस्तान के ऑलराउंडर इमाद वसीम की पूर्व पत्नी सानिया अशफाक ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट और एक वीडियो संदेश के जरिए उन्होंने दावा किया कि दिसंबर 2023 में उन्हें जबरन गर्भपात के लिए मजबूर किया गया। मौजूद जानकारी के अनुसार सानिया अशफाक ने कहा कि यह घटना लाहौर में हुई और उनके पास अपने आरोपों के समर्थन में सबूत मौजूद हैं। उन्होंने इमाद वसीम को मर्डरर बताते हुए लिखा कि उन्हें न्याय चाहिए।

क्रिकेट मैच में मधुमक्खियों का हमला, अंपायर की मौत

कानपुर, 19 फरवरी। उन्नाव में क्रिकेट मैच के दौरान मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों ने खिलाड़ियों को डंक मारने शुरू कर दिए। यह देखकर अंपायर बचने के लिए भागे, लेकिन गिर गए और मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया।

टी-20 विश्वकप : सुपर-8 से पहले भारतीय टीम की टेंशन, फिंगर स्पिनर्स हैं सबसे बड़ी चुनौती : रयान टेन

नई दिल्ली, 19 फरवरी। भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने इस बात पर सहमति जताई कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाले शीर्ष क्रम के लिए विपक्षी टीमों का सही रणनीति बनाना और फिंगर (उंगलियों के) स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों का संघर्ष टी20 विश्व कप के सुपर आठ में भारत के सामने दो अहम मुद्दे होंगे। डोएशे ने नीदरलैंड के खिलाफ अंतिम लीग मैच में भारत की जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि खिताब के प्रबल दावेदार ने अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेला है जिसमें उसका पूरी तरह से दबदबा रहा हो।

भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और तिलक वर्मा शामिल हैं। यह तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और डोएशे ने स्वीकार किया कि इससे विपक्षी टीमों के लिए उनके खिलाफ रणनीति बनाना आसान हो गया है। प्रतिद्वंद्वी टीमें अभिषेक शर्मा सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं।

अभिषेक इस टूर्नामेंट में तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि कुछ समय पहले तक वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने बुधवार को पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और अभिषेक और किशन को आउट किया। डोएशे का मानना है कि भारत को उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत है। घरेलू टीम को दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, ''इससे टीमों को भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में आसानी हुई है। हमारे पास शीर्ष तीन में ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हमारे पास संजू सैमसन बेंच पर बैठे हैं और आगामी मैचों को देखते हुए अगर हम उंगलियों के स्पिनरों को देखें तो इस मामले में हमारा सामना न्यूजीलैंड से होगा।'' डोएशे ने कहा, ''हमारे पास कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो उंगलियों से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के पास भी अगर हम मार्करम को शामिल करें, तो इस तरह के गेंदबाज हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमें लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और हम टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों से काम चला लेंगे।''

भजनलाल सरकार ने 25-26 में कर राजस्व में 34.10 प्रतिशत वृद्धि की

कुशल वित्तीय प्रबंधन से कर राजस्व का आंकड़ा 1 लाख 38 हजार करोड़ रूपए पहुँचा

जयपुर, 19 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में कुशल वित्तीय प्रबंधन के परिणामस्वरूप राज्य सरकार के स्वयं के कर राजस्व में उल्लेखनीय और सतत वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आय-व्यय अध्ययन 2026-27 के अनुसार, वर्ष 2022-23 में राज्य का स्वयं का कर राजस्व 87 हजार 347 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2023-24 में 7.72 प्रतिशत वृद्धि के साथ 94 हजार 86 करोड़ रुपये हो गया। इसी प्रकार, वर्ष 2024-25 में 9.80 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1 लाख 3 हजार 310 करोड़ रुपये हो गया।

यह वृद्धि आगे और तेज हुई तथा संशोधित अनुमान 2025-26 में यह राशि 34.10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1 लाख 38 हजार 540 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बजट अनुमान 2026-27 में स्वयं के कर राजस्व का लक्ष्य 1 लाख 62 हजार 668 करोड़ रुपये रखा गया है, जोकि पिछले वर्ष से लगभग 17.41 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, यह अनुमानित वृद्धि वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 72.9 प्रतिशत अधिक है।

- राज्य सरकार ने वर्ष 26-27 में कर राजस्व का लक्ष्य एक लाख 62 हजार 668 करोड़ रूपए निर्धारित किया है, जो पिछले वर्ष से 17.41 प्रतिशत अधिक है।

राज्य के स्वयं के कर राजस्व में निरंतर वृद्धि प्रदेश के बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। इस वृद्धि से आधारभूत संरचना के क्षेत्रों में अधिक निवेश की संभावनाएं भी प्रबल होंगी।

'फ्री में सब कुछ मिलेगा तो काम कौन करेगा'

नई दिल्ली, 19 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों की ओर से फ्री की योजनाओं पर सख्ती दिखाई है। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। हर किसी को फ्री में बिजली देने से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा।

तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है।चीफ जस्टिस सूर्यकांतऔर जस्टिस जॉयमाल्य बागची, जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अधिकतर राज्यों का राजस्व घाटे में हैं लेकिन वे विकास की अनदेखी करते हुए इस तरह की मुफ्त सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया।

नेता प्रतिपक्ष का अपमान देश का अपमान, संसदीय कार्य मंत्री माफी मांगें- पायलट

उन्होंने कहा कि रिजिजू की भाषा सरासर अस्वीकार्य, अशोभनीय व निदंनीय है

मुम्बई, 19 फरवरी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए इस्तेमाल की गई भाषा की कड़ी भर्त्सना करते हुए कहा कि रिजिजू की टिप्पणी बेहद अशोभनीय एवं निंदनीय है। प्रतिपक्ष के नेता, जो एक संवैधानिक पद पर हैं, उन्हें देश के लिए खतरा बताना लोकतांत्रिक मर्यादाओं का घोर उल्लंघन है।

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने मुंबई में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में केन्द्र की भाजपा सरकार के अमेरिका के साथ किये व्यापारिक समझौते को किसान विरोधी बताया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का मुख्य काम सरकार से सवाल पूछना और उसकी जवाबदेही तय करना होता है, लेकिन सत्ता पक्ष न केवल उन्हें संसद में बोलने से रोकता है, बल्कि उनका माइक तक बंद कर देता है। पायलट ने स्पष्ट किया कि जिस व्यक्ति के पूरे परिवार ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया हो, उनके लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया जाना सरासर अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि किरण रिजिजू को अपना बयान तुरंत वापस लेना चाहिए और इस अमर्यादित आचरण के लिए पूरे देश से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

मुम्बई के महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए पायलट कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा अमेरिका के साथ किया गया व्यापारिक समझौता किसान विरोधी एवं भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते आर्थिक तरक्की का रास्ता होने चाहिए, जो बराबरी की शर्तों पर आधारित हों, लेकिन वर्तमान सरकार ने देश के 140 करोड़ जनमानस की भावनाओं और हितों को दरकिनार कर इसे गुलामी के रास्ते पर धकेल दिया है।

एप्स्टीन से संबंधों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और भारत कार्यालयों के अध्यक्ष अंकुर वोरा करेंगे।''

इस बीच, केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के जेफ्री एपस्टीन से संबंधों को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हालांकि पुरी का कहना है कि उन्होंने एपस्टीन से केवल तीन या चार बार ही मुलाकात की थी और वह भी एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में। कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। उसका दावा है कि 2014 से 2017 के बीच पुरी और एपस्टीन के बीच 62 ईमेल का आदान-प्रदान हुआ और 14 बैठकें हुईं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने यह भी सवाल उठाया कि पुरी ने किस हैसियत से एपस्टीन से संपर्क किया था। उन्होंने नई दिल्ली में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट पर भी टिप्पणी की और मीडिया में चल रही उन अटकलों का जिक्र किया, जिनमें कहा जा रहा था कि बिल गेट्स इसमें भाग नहीं लेंगे।

एपस्टीन फाइल्स में हाल में हुए खुलासे बिल गेट्स के लिए गंभीर माने जा रहे हैं। एक नोट में कथित रूप से एपस्टीन ने दावा किया कि उसने गेट्स को ''रूसी लड़कियों के साथ संबंधों के परिणामों से निपटने के लिए दवाएं'' दिलाने में मदद की थी। गेट्स ने इन आरोपों को ''पूरी तरह बेतुका और बिल्कुल झूठा'' बताया है।

इस बीच, एक हालिया साक्षात्कार में मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने कथित रूप से कहा कि उनके पूर्व पति की एपस्टीन से मुलाकातें, उनकी 27 साल पुरानी शादी टूटने के कारणों में से एक थीं।

'बिना इजाज़त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी जरूरी काम से बाहर जाना पड़ा तो पहले अदालत की अनुमति लेंगे। अंबानी ने यह हलफनामा पूर्व नौकरशाह ईएएस सरमा की याचिका के जवाब में दिया है। सरमा ने अपनी जनहित याचिका में एडीएजी और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ कथित 40,000 करोड़ रुपए के घोटाले की निष्पक्ष, तुरंत और बिना भेदभाव जांच की मांग की है।

प्र.मंत्री मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने डीप फेक जैसी चुनौतियों का जिक्र किया और कहा कि जैसे खाने की चीजों पर लेबल लगता है कि उसमें क्या है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी लेबलिंग जरूरी है ताकि लोग सच-झूठ पहचान सकें।

इसकी स्पीड और स्केल इतनी बड़ी है कि इसके अच्छे और बुरे दोनों प्रभाव हो सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतनी होगी। एआई को खुली छूट मिलनी चाहिए, लेकिन कमान हमारे हाथ में होनी चाहिए।

विकासशील देशों के लिए एआई को लोकतांत्रिक बनाना जरूरी है। मनुष्यों को सिर्फ डेटा का स्त्रोत नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि एआई को सशक्तिकरण का माध्यम बनाना होगा।

देश के बाकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना और उत्तराखंड शामिल हैं। आयोग ने कहा है कि पिछले साल जुलाई में बिहार को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया के लिए रिवीजन प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा गया था।

वर्ष 2025 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि पिछले पाँच वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने मामलों के निपटारे की गति बढ़ाई है। करोना महामारी के वर्षों के बाद इसमें खास बढ़ोतरी हुई और ऐतिहासिक स्तर पर मामलों का निपटारा हुआ। फिर भी लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ती रही। इसका मुख्य कारण सुप्रीम कोर्ट में दायर होने वाले मामलों की बढ़ती संख्या है। पिछले पाँच वर्षों का केस क्लियरेंस रेट (सीसीआर), यानी किसी एक वर्ष में दाखिल मामलों की तुलना में निपटाए गए मामलों का प्रतिशत (प्रोडक्टिविटी) इस उत्पादकता के विरोधाभास की साफ तस्वीर पेश करता है।

1641 के बाद इंगलैंड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरफ्तार किया गया और बाद में उन्हें मृत्युदंड दिया गया। इस घटना से पूरे यूरोप के शाही परिवारों और अभिजात वर्ग में भय फैल गया था।

लेकिन आज पूर्व राजकुमार एंड्रयू की गिरफ्तारी कोई हल्की बात नहीं है। एंड्रयू माउंटबैटन-विंडसर को थेम्स वैली पुलिस ने सार्वजनिक पद के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया है। ब्रिटेन में यह शब्दावली आमतौर पर महत्वपूर्ण राजकीय गोपनीय जानकारी साझा करने के लिए प्रयुक्त होती है।

हालांकि पुलिस ने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा है, लेकिन जैफरी एप्स्टीन के केस की जाँच कर रहे यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस द्वारा जारी किए गए पेपर्स संकेत देते हैं कि संभव है, उन्होंने गोपनीय सामग्री एप्स्टीन को दी हो।

पूर्व राजकुमार एंड्रयू 2000 के शुरुआती दशक में लगभग एक दशक तक ब्रिटेन के व्यापार दूत (ट्रेड एन्वॉय) रहे थे। उन पर संदेह है कि उन्होंने उसी दौरान एप्स्टीन को जानकारी दी। व्यापार दूत के रूप में वे उसी गोपनीयता की शपथ के अधीन थे, जिस प्रकार कोई भी ब्रिटिश मंत्री होता है।

आज उनकी गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके बड़े भाई किंग चार्ल्स तृतीय ने कहा कि वे इस पूरे मामले को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे एंड्रयू की निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया में उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेंगे।

प्रसिद्ध लेखक जॉन मिल्टन, जिन्होंने ''पैराडाइज लॉस्ट'' और ''पैराडाइज रीगेन्ड'' लिखी थी, ने भी अपने समय में किंग चार्ल्स प्रथम की गिरफ्तारी और उनके दंड का समर्थन किया था। उस समय राजाओं को ईश्वर प्रदत्त अधिकार-सम्पन्न व्यक्ति माना जाता था और उन्हें कानून से ऊपर समझा जाता था।

लेकिन सच कहें तो यह आरोप उनपर लगे गंभीर आरोपों की तुलना में हल्का है। उन पर महिलाओं की तस्करी और एक नाबालिग के साथ यौन संबंध रखने जैसे गंभीर आरोप भी लग चुके हैं। ये मामले एप्स्टीन प्रकरण के दौरान सामने आए, जिसमें दुनिया के कई प्रभावशाली लोग भी शामिल थे।

अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी एप्स्टीन दस्तावेज़ों में दुनिया के अभिजात वर्ग और जेफरी एप्स्टीन के संबंधों का खुलासा हुआ था। एप्स्टीन एक विवादास्पद वित्तीय कारोबारी था, जिसने विश्व के प्रभावशाली लोगों के बीच संबंधों और लाभ पाने का एक बदनाम नेटवर्क बनाया था।

अपने व्यावसायिक कामों के साथ-साथ उसने अपने ग्राहकों के लिए यौन शोषण और मनोरंजन का एक कुख्यात नेटवर्क भी बनाया था, जिसमें नाबालिगों से जुड़े यौन कृत्यों के आयोजन भी शामिल थे। उसने अमेरिका की जेल में आत्महत्या कर ली थी।

एंड्रयू पर आरोप था कि उन्होंने वर्जीनिया गियुफ्रे को, जब किशोरावस्था में थी, बहला-फुसलाकर उसके साथ यौन संबंध बनाए। यह कानून के तहत गंभीर अपराध है। बाद में वर्जीनिया ने एक पुस्तक लिखी, जिसमें बताया कि कैसे उसे एप्स्टीन के जाल में फंसाया गया और बार-बार उसका यौन शोषण किया गया।

वर्जीनिया ने अमेरिका में प्रिंस एंड्रयू के खिलाफ मुकदमा भी दायर किया था, जिसे बाद में अदालत के बाहर समझौते के जरिए समाप्त किया गया। बताया गया कि समझौते के तहत वर्जीनिया को लाखों डॉलर दिए गए। दुख की बात है कि बाद में उन्होंने आत्महत्या कर ली।

संभव है कि कुछ दस्तावेजों और तस्वीरों के सार्वजनिक होने के बाद एंड्रयू की गिरफ्तारी लगभग तय हो गई थी। एक तस्वीर में वे जमीन पर लेटी एक महिला के ऊपर घुटनों के बल बैठे दिखाई दिए। सार्वजनिक रूप से इससे अधिक अपमानजनक दृश्य शायद ही कोई हो सकता था।

तस्वीर के सार्वजनिक होने के बाद यह संभव नहीं था कि ब्रिटिश शाही परिवार की एंड्रयू द्वारा जो सार्वजनिक बेइज़्ज़ती की जा रही थी, उसे नज़रअंदाज़ किया जा सके।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908